E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-49 | जम्मू तवी, शुक्रवार 21 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सरकार ने पूर्वोत्तर के लिए हर क्षेत्र में अनेक संभावनाएं खोलने का काम किया: शाह

नयी दिल्ली 20 फरवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ने पर्यटन से तकनीक, खेल से अंतरिक्ष, कृषि से उद्यमिता और बैंकिंग से बिज़नेस तक हर क्षेत्र में पूर्वोत्तर के लिए अनेक संभावनाएं खोलने का काम किया है।

श्री शाह गुरुवार को यहां असम राइफल्स द्वारा आयोजित 'एकता उत्सव एक आवाज एक राष्ट्र' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर असम राइफल्स के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए एकता शब्द बेहद महत्वपूर्ण है। आज़ादी के कई वर्षों तक इस इतने बड़े भूभाग की दिल्ली से फिज़िकल और दिल की दूरी बहुत बड़ी थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कनेक्टिविटी के माध्यम से पूर्वोत्तर और दिल्ली के बीच की फिज़िकल और दिलों की दूरी को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा ,卐आज नॉर्थ ईस्ट पूरे भारत का और पूरा भारत नॉर्थ ईस्ट का है।卐 उन्होंने कहा कि मोदी

सरकार ने पूर्वोत्तर के लिए सैकड़ों बजटीय प्रावधान बढ़ाए हैं और पूर्वोत्तर को 3-4 गुना ज्यादा बजट दिया है। उन्होंने कहा कि 2027 तक नॉर्थ ईस्ट के आठों राज्य रेल और हवाई कनेक्टिविटी के माध्यम से दिल्ली के साथ जुड़ जाएंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्य देश को हर तरह से समृद्ध करने में सक्षम हैं। आर्थिक, सांस्कृतिक, सुरक्षा, खेल और अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्र में पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए अपार अवसर हैं। उन्होंने कहा,卐मोदी सरकार ने पर्यटन से तकनीक, खेल से स्पेस, कृषि से उद्यमिता और बैंकिंग से बिज़नेस तक हर क्षेत्र में नॉर्थ ईस्ट के लिए अनेक संभावनाएं खोलने का काम किया है।卐

श्री शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में 220 से अधिक जातीय समूह और 160 से अधिक जनजातियां रहती हैं। यहां 200 से अधिक बोलिया और भाषाएं बोली जाती हैं, 50 से अधिक अनोखे उत्सव मनाए जाते हैं और 30 से अधिक पारंपरिक नृत्य और 100 से अधिक व्यंजन इस क्षेत्र में आज भी अस्तित्व में हैं। उन्होंने कहा कि ये सब पूरे भारत के लिए बहुत बड़ी समृद्ध विरासत का खज़ाना है और पूरा देश इस विरासत पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के बिना भारत और भारत के बिना पूर्वोत्तर अधूरा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस पूर्वोत्तर एकता उत्सव की थीम एक आवाज़, एक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि हमारा देश अनेक भाषाओं, संस्कृतियों, व्यंजनों और वेशभूषाओं का अद्भुत मिश्रण है और यही अनेकता में एकता हमारे देश की विशेषता और सबसे बड़ी ताकत है। यूनिटी उत्सव के इस पांच दिवसीय भव्य समारोह ने पूर्वोत्तर की एकता व सांस्कृतिक समृद्धि को दिल्ली में प्रस्थापित करने का कार्य किया है।

श्री शाह ने कहा कि असम राइफल्स भारत का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल है और असम राइफल्स की पहचान नॉर्थ ईस्ट के सच्चे मित्र के रूप में की जाती है। उन्होंने कहा कि असम राइफल्स ने पूर्वोत्तर को अनेक संकटों से उबारने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आज इस आयोजन के माध्यम से असम राइफल्स, पूर्वोत्तर की एकता और सांस्कृतिक ताकत को पूरे देश और दुनिया के सामने रखने में सफल हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि इस आयोजन में खेल स्पर्धाओं में 212 टीमों और 1500 छात्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 150 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि आज जीते गए अधिकतर इनाम मणिपुर के हिस्से में आए हैं, जो मणिपुर में खेलों के महत्व को दर्शाता है। नॉर्थईस्ट में खेलों की लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए ही प्रधानमंत्री ने देश की सबसे पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मणिपुर में बनाने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री उमर ने जलवायु परिवर्तन जागरुकता पर जोर दिया

जम्मू 20 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर जलवायु परिवर्तन से गंभीर खतरे का सामना कर रहा है, खासकर जल संकट के रूप में, उन्होंने अधिक जागरूकता और कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने जम्मू विष्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में 'एनईपी-2020 के कार्यान्वयन के लिए इनोवेशन पेडागॉजी में क्षमता निर्माण' पर तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 卐हम अपने लोगों को जलवायु परिवर्तन के साथ क्या हो रहा है और इससे होने वाले खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं। राजनीतिक नेताओं के रूप में यह जिम्मेदारी हमारी है।''

कार्यशाला का आयोजन मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा कौशल ऊष्मायन, नवाचार, उद्यमिता विकास केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जम्मू विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रोफेसर उमेश राय, एसएमवीडी

विश्वविद्यालय, बीजीएसबीएस विश्वविद्यालय और जम्मू के क्लस्टर विश्वविद्यालय के उपकुलपतियों के साथ-साथ वरिष्ठ संकाय सदस्यों, विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्यों और छात्रों ने भाग लिया।

जलवायु परिवर्तन के गंभीर मुद्दे को हल करते हुए, मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में चिंताजनक वर्षा की कमी पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 'डिजाइन योर डिग्री' कार्यक्रम पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार अपनी शिक्षा को आकार देने, उनके कौशल को बढ़ाने और उभरती नौकरी बाजार की मांगों के साथ संरेखित करने का अधिकार देती है। उन्होंने कहा 卐जैसे-जैसे जम्मू और कश्मीर के निजी क्षेत्र का विस्तार हो रहा है, विशेष रूप से उद्योग और पर्यटन में, और जैसे-जैसे यह क्षेत्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में एकीकृत होगा, नौकरी के अधिक अवसर सामने आएंगे। जम्मू विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मान्यता मिलने से, प्रासंगिक कौशल से लैस छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। उच्च प्रतिशत हासिल करने के लिए छात्रों पर पड़ने वाले दबाव पर विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा 卐यह आश्चर्यजनक है कि हम अपने बच्चों पर कितना दबाव डालते हैं। जब आप दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष कॉलेजों के लिए कट-ऑफ प्रतिशत देखते हैं तो यह सवाल उठता है कि 100 प्रतिषत से अधिक क्या है? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिज़ाइन योर डिग्री कार्यक्रम छात्रों को उन विषयों का अध्ययन करने की अनुमति देकर शिक्षा में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है जो वास्तव में उनकी रुचि रखते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कृषि और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षा और उद्योग पर एआई के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे सीखने और काम करने के तरीके को नया आकार दे रहा है। हालांकि यह शैक्षणिक कार्यों के लिए चैटजीपीटी जैसे टूल का उपयोग करने में आसानी जैसी चुनौतियां पेश करता है, लेकिन यह नवाचार और विकास के लिए अपार अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कार्यक्रम के कार्यान्वयन के मार्गदर्शन में डिज़ाइन योर डिग्री पहल के अग्रदूतों, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की भूमिका को स्वीकार किया।

पुलिस ने सोने के आभूषण सहित एक आई-पैड बरामद किया

कठुआ 20 फरवरी । जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ द्वारा लखनपुर में एक त्वरित ऑपरेशन में एक चोर को गिरफ्तार किया गया और सोने के गहने और एक आईपैड सहित चोरी का सामान बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार एसएचओ जानीपुर जम्मू से मिली गुप्त सूचना

पर कार्रवाई करते हुए एसएचओ पुलिस स्टेशन लखनपुर त्रिभवन खजूरिया के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन लखनपुर की एक टीम ने मुख्य बाजार लखनपुर में एक विशेष नाका स्थापित किया। आरोपी बिशाल कोंडपन पुत्र गर्सन निवासी उत्तम नगर पश्चिमी दिल्ली को अपराध स्थल से भागने के बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया।

कांग्रेस उमर के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार का हिस्सा है : कर्रा

जम्मू, 20 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने गुरुवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ किसी भी तरह के मतभेद की अफवाहों को खारिज किया और कहा कि उनकी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार का पूरी तरह से हिस्सा है। उन्होंने जल्द ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों वाली एक समन्वय समिति के गठन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अभियान चला रहे हैं और लोगों और कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। कांग्रेस का अपना निर्वाचन क्षेत्र है और जब भी हम राज्य के दर्जे जैसे मुद्दों पर अपने कार्यक्रमों के बारे में लोगों से बात करते हैं, तो वे भी विभिन्न चिंताओं के बारे में बात करते हैं और इन मुद्दों को निवारण के लिए सरकार के समक्ष उठाना हमारा कर्तव्य है। कर्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम सरकार का हिस्सा हैं। हम सरकार को सलाह दे सकते हैं। हम लोगों के मुद्दे उठा सकते हैं और अगर आप चाहते हैं कि लोगों के मुद्दों पर चर्चा न की जाए, तो यह लोगों के साथ न्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अनावश्यक गलतफहमी से बचने के लिए जल्द ही एक समन्वय समिति का गठन किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस 13 फरवरी से केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की अपनी मांग के समर्थन में जम्मू क्षेत्र में 15 दिवसीय अभियान चला रही है और अब तक 10 में से पांच जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर चुकी है। उन्होंने कहा, यह (राज्य का दर्जा बहाल करना) केवल कांग्रेस पार्टी का मुख्य मुद्दा नहीं है।

राजौरी में गर्भवती महिला की मौत पर विरोध प्रदर्शन, जांच के आदेश

राजौरी,20 फ़रवरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के एक अस्पताल में गुरुवार तड़के इलाज के दौरान गर्भावस्था की जटिलताओं से 28 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जिसके बाद उसके आक्रोशित रिश्तेदारों ने कथित चिकित्सकीय लापरवाही के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी) राज कुमार थापा द्वारा घटनास्थल का दौरा करने और उसकी मौत के कारण का पता लगाने के लिए समयबद्ध मजिस्ट्रेट जांच का आश्वासन देने के बाद प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए। अधिकारियों ने कहा कि राजौरी के मंदिर गाला गांव के यशपाल की पत्नी करिन देवी को सात महीने की गर्भावस्था में कुछ जटिलताएं होने के बाद सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिससे भ्रूण की मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि महिला ने

सुबह करीब 4 बजे इलाज के दौरान अंतिम सांस ली और इसके बाद उसके रिश्तेदार अस्पताल में एकत्र हुए और अस्पताल के कर्मचारियों की ओर से चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एडीडीसी ने आश्वासन दिया है कि अगर जांच में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की ओर से चिकित्सा लापरवाही की बात सामने आती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी स्कूल की शिक्षिका की डंपर की चपेट में आने से मौत

श्रीनगर, 20 फरवरी। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओल्ड टाउन बडगाम इलाके में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका की डंपर की चपेट में आने से मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका की मौत एक डंपर की चपेट में आने से हो गई जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एचआर55एआर-5574 था।

उन्होंने बताया कि उसे डीएच बडगाम ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पीड़िता की पहचान हाउसिंग कॉलोनी ओमपोरा निवासी फैयाज अहमद डार की पत्नी शाइस्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

किसी भी देश की सांस्कृतिक विरासत का प्रामाणिक स्तंभ है भाषा : धनखड़

नयी दिल्ली 20 फ़रवरी । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि भाषा साहित्य से परे है क्योंकि यह समसामयिक परिदृश्य को परिभाषित करती है और यदि भाषा नहीं पनपेगी तो इतिहास भी नहीं पनपेगा।

श्री धनखड़ ने 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यहां उप राष्ट्रपति निवास में एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि किसी क्षेत्र को जीतने का सबसे अच्छा तरीका यह नहीं है कि उस पर भौगोलिक रूप से कब्ज़ा करके उसकी संस्कृति पर कब्ज़ा कर लिया जाए और उसकी भाषा को नष्ट कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि करीब 1200-1300 साल पहले, जब सब कुछ उत्थान पर था और सब ठीक चल रहा था। दुनिया भारत की ओर देख रही थी। भारत ज्ञान का भंडार था। नालंदा और तक्षशिला जैसी संस्थाएं भारत में थी।कार्यक्रम में श्री धनखड़, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. सुदेश धनखड़, वरिष्ठ राज्यसभा सांसद शरद पवार, लोकसभा सांसद श्रीमती सुप्रिया सुले, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन महामंडल की अध्यक्ष प्रोफेसर उषा तांबे और सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. तारा भावकर आदि मौजूद रहे।

वनों के पुनर्वास के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाएं: मुख्य सचिव

नई दिल्ली, 20 फरवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में झीलों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए चल रहे संरक्षण उपायों की प्रगति की समीक्षा के अलावा विभाग के कामकाज का आकलन किया गया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर वन क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। वन भूमि प्रबंधन की दक्षता बढ़ाने के लिए मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सीमा स्तंभ स्थापित करके और अभिलेखों को डिजिटल करके वन भूमि के सर्वेक्षण और सीमांकन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य अतिक्रमणों पर प्रभावी अंकुश लगाना और वन संसाधनों की सुरक्षा करना है। वनीकरण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करते हुए डुल्लू ने विभाग से आगामी वृक्षारोपण सत्र के अंत तक 1.5 करोड़ पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए वृक्षारोपण अभियान में तेजी लाने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिना किसी देरी के इस लक्ष्य को हासिल करना पर्यावरणीय स्थिरता के लिए जरूरी है। उन्होंने वन क्षेत्रों की बाड़ लगाने सहित सुरक्षात्मक उपायों को अपनाकर लगाए गए पौधों के अधिकतम अस्तित्व को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कुपवाड़ा के ऊपरी इलाकों में ताजा बर्फबारी

कुपवाड़ा, 20 फरवरी। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के ऊपरी इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है, जिसके कारण इन इलाकों की ओर जाने वाली सड़कों पर यातायात की आवाजाही रोकनी पड़ी है। मौसम की स्थिति में सुधार के बाद ही यातायात बहाल किया जाएगा, ताकि सभी के लिए सुरक्षित यात्रा की स्थिति सुनिश्चित हो सके। एक अधिकारी ने बताया कि माछिल में जेड-गली, केरन में फेरखियां टॉप और साधना टॉप सहित सीमांत जिले के कई इलाकों में 4 से 5 इंच तक बर्फ जम गई है। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के मद्देनजर जिला प्रशासन ने इन इलाकों की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर वाहनों की आवाजाही रोकने का फैसला किया है।

रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 20 फ़रवरी । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में कार्यभार संभाला लिया। वह दिल्ली की चौथी और भाजपा की दूसरी महिला मुख्यमंत्री हैं।

बुधवार शाम को पार्टी विधायक दल की नेता चुने जाने के बाद रेखा गुप्ता ने राजनिवास जाकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। गुरुवार दोपहर रामलीला मैदान में उन्होंने अपने छह सहयोगी मंत्रियों के साथ पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

रेखा गुप्ता अपनी कैबिनेट के साथ आज कुछ ही देर में यमुना की सफाई का निरीक्षण और यमुना आरती करेंगी। इसके बाद मुख्यमंत्री शाम सात बजे कैबिनेट की बैठक लेगी।

इससे पहले रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट लिखा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में दिल्ली का हर दिन विकास पथ पर निरंतर प्रशस्त होता जाएगा। वह और उनके मंत्री संकल्पित भाव से विकसित दिल्ली का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे।

उन्होंने आगे लिखा, मैं दिल्ली की जनता को विश्वास दिलाती हूं कि उनके जीवन का हर एक पल आपकी सेवा में समर्पित होगा। प्रधानमंत्री और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ जैसी सामान्य कार्यकर्ता पर दिल्ली की जन आकांक्षाओं को पूरा करने की जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दूंगी।

पशु तस्करी प्रयास विफल, 14 गोवंश को बचाया

कठुआ 20 फरवरी । गोवंश तस्करों और उनके प्रचारकों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए कठुआ पुलिस ने पुलिस पोस्ट हटली के अधिकार क्षेत्र में गोवंश तस्करी के प्रयास को विफल कर 14 गोवंशों को तस्करों के चंगुल से बचाया।

जानकारी के अनुसार पुलिस चैकी हटली में विश्वसनीय सूत्रों से कठुआ की ओर से आ रहे एक ट्रक पंजीकरण संख्या पीबी10ईएस-3201 में गोवंश की तस्करी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस चैकी हटली के प्रभारी पीएसआई सुभम महाजन के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने चेकिंग के लिए हटली एनएचडब्ल्यू पर उक्त ट्रक को सफलतापूर्वक रोका। चेकिंग के दौरान वाहन के अंदर 14 गोवंश पाए गए जो क्रूर तरीके से बंधे हुए थे और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे थे। बचाए गए सभी गोवंशों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस स्टेशन कठुआ में एफआईआर 87/2025 यू/एस 223 बीएनएस 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

कृषि मंत्री द्वारा सीएसएस कार्यान्वयन के तहत भौतिक, वित्तीय उपलब्धियों की समीक्षा

श्रीनगर 20 फरवरी। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने कृषि निदेशालय लालमंडी के बैठक हॉल में कृषि निदेशक, संयुक्त निदेशक, प्रांतीय प्रमुखों, मुख्य कृषि अधिकारियों, योजना प्रमुखों, कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों की एक बैठक बुलाई और समग्र कृषि विकास कार्यक्रम, कैपेक्स और सीएसएस के तहत भौतिक/वित्तीय उपलब्धियों का जायजा लिया।

बैठक के दौरान एचएडीपी के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के अलावा कृषि विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जावेद डार ने एचएडीपी और कैपेक्स और सीएसएस की विभिन्न

परियोजनाओं के तहत धन के शीघ्र और विवेकपूर्ण व्यय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि एचएडीपी परियोजनाओं, केंद्र प्रायोजित योजनाओं के विभिन्न घटकों के तहत आवंटित धनराशि को समयबद्ध तरीके से खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी खर्चों के दौरान उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के महत्व को दोहराया।

मंत्री ने केसीसी और पॉइंट ऑफ सेल मशीनों की निगरानी के लिए नवीन पहलों के महत्व को रेखांकित किया। मंत्री ने सब्जी फसलों का नए क्षेत्रों में विस्तार करने को भी कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खरीफ फसल सीजन के लिए प्रस्तुतियों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने विभाग के गुणवत्ता नियंत्रण मैनुअल का भी अनावरण किया।

जावेद डार ने अधिकारियों को हर क्षेत्र के किसानों तक पहुंचने और उन्हें एचएडीपी के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो। आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

प्यार में तकरार भी जरूरी

मुकूल और चेतना की शादी के दस साल हो गए लेकिन उनके रिश्ते में वही प्यार और नयापन देखने को मिलता है जो शादी के शुरुआती दिनों में था। एक दिन जब उनके फ्रेंड्स ने इसका राज पूछा तो जवाब आया 'लड़ाई'। जी हां, लड़ाई, सुनने में तो यह बड़ा ही अटपटा लगता है पर यह एक ऐसा कैटेलिस्ट है जो रिश्तों में रिफ्रेशमेंट लाता है। पति-पत्नी का नाजुक और पवित्र रिश्ता पूरी तरह प्यार पर ही निर्भर करता है। लेकिन दाम्पत्य जीवन में एक-दूसरे के अन्य पहलुओं को जानने के लिए कभी-कभी तकरार की भी जरूरत पड़ती है। क्योंकि तकरार के बिना संबंधों में नयापन नहीं आ सकता। दाम्पत्य जीवन में नोक-झोंक और रुठने-मनाने का सिलसिला मैरिड लाइफ को रिफ्रेश कर देता है।

अधिकतर लोगों का यह मानना है कि जो कपल झगड़ते हैं वहां आपसी सामंजस्य की कमी होती है, पर सच्चाई तो यह है कि झगड़े में कहीं न कहीं अच्छे मैरिड लाइफ का एहसास भी छिपा होता है।

परफेक्शन का दायरा बढ़ाता है

परफेक्शन के इस दौर में हर कोई खुद को परफेक्ट की श्रेणी में रखता है और हर कपल खुद को मेड फॉर इच अदर वाला परफेक्शन देना चाहता है। इसलिए शादी के कुछ महीनों तक वे दोनों एक-दूसरे की इच्छाओं का खूब ध्यान रखते हैं और इसी चक्कर में उनकी लाइफ रुल्स और परफेक्शन में बंधकर रह जाती है। नतीजा होता है नीरस और ऊबाऊ जीवन। पति-पत्नी के बीच होती छोटी-मोटी छेड़छाड़ एक रिफ्रेशर का काम करती है जो न केवल उनके संबंधों में ताजगी बनाए रखती है बल्कि परफेक्शन के दायरे को और भी अधिक बढ़ाती है। इस बावत 45 वर्षीय सीमा जो एक गृहिणी हैं कहती हैं- परफेक्शन की सीमा हर किसी के लिए अलग-अलग होती है। इसलिए मैं अपने पार्टनर को परफेक्शन के फ्रेम में नहीं जकड़ती। हर किसी के लिए परफेक्शन की परिभाषा अलग होती है और जो इसमें बंधकर रहते हैं वे हमकदम नहीं बल्कि परेशानी का सबब बनकर रह जाते हैं। वहीं दूसरी ओर 35 वर्षीय रविशंकर जो एक बिजनेस मैने हैं कहते हैं कि परफेक्शन के चक्कर में कई बार लोगों की गृहस्थी बिखर जाती है। क्योंकि परफेक्शनिस्ट होने का जुनून उनके नोक-झोंक को गंभीर विवाद में तब्दील कर रख देता है।

झगड़ा यानी प्रेम परीक्षा

हर व्यक्ति के अंदर ईर्ष्या, क्रोध, नफरत आदि भावनाएं पनपती हैं। दो अलग-अलग व्यक्ति की भावनाएं और मन:स्थिति एक जैसी नहीं होती इसलिए पति-पत्नी के बीच तकरार न हो ऐसा नहीं हो सकता। हर बात पर प्यार और सहमति बनावटीपन को बढ़ावा देता है।

पति-पत्नी में विश्वास तभी पनपता है जब वे एक-दूसरे को कहने का मौका देते हैं। लेकिन बातें अगर छुपाई जाए तो भरोसा उठने लगता है। उसी तरह कई बातें दिलोदिमाग पर भी असर डालती हैं। ऐसे में दोनों के बीच प्रेम नहीं बल्कि प्रेम का अभिनय मात्र ही रह जाता है।

प्रेम और कलह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए झगड़ने से मन का गुब्बार निकल जाता है और मन शांत होकर पुन: प्रेम से भर जाता है। पति-पत्नी का साथ जीवनभर का होता है इसलिए लड़ाई भी करनी हो तो 'रात गई बात गई' वाले अंदाज में झगड़ें। इससे रिश्तों में दरार नहीं आएगी।

दो भिन्न-भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं होते, इसलिए विचारों की टकराहट ही प्रेम परीक्षा है जिससे उनके वैवाहिक जीवन की डोर मजबूत होती है। जहां प्यार है वहां झगड़ा होगा ही। दो लोग आपस में तभी झगड़ते हैं जब वे एक-दूसरे से प्यार करते हैं। इसलिए एक मीठी झड़प के बाद पति-पत्नी दोनों में फिर से प्यार का अहसास जाग जाता है।

रुठना-मनाना यानी दिल के करीब आना

रुठना-मनाना भी एक कला है। दांपत्य जीवन में छोटी-मोटी टकराहट हमेशा होती रहती है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर बात जोर जबर्दस्ती या चिल्लाकर कही जाए। यूं देखा जाए तो शब्दों में बड़ी ताकत होती है। थोड़े से कटु वचन कई महाभारत रच डालते हैं। इसलिए कटु वचन से बचना चाहिए। बहस सिर्फ अहंकार को जन्म देती है।

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है।

मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रगीन पदा जरूर लगा हो। पदा लगा हान का स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत जरूर मिल सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

महाशिवरात्रि के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा

कुलगाम, 20 फरवरी (हि.स.)। महाशिवरात्रि पर्व की व्यवस्थाओं की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए डिप्टी कमिश्नर कुलगाम अतहर आमिर खान ने गुरूवार को मिनी सचिवालय में अधिकारियों की एक बैठक बुलाई।

बैठक के दौरान डीसी ने संबंधित विभागों को वेसु माइग्रेंट कॉलोनी, मंजगाम, कुलगाम, चावलगाम, देवसर और कश्मीरी पंडित समुदाय के अन्य बस्तियों में बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।पारंपरिक त्योहारों की आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए सहायक निदेशक मत्स्य को विभिन्न स्थानों पर ट्राउट मछली के लिए बिक्री आउटलेट स्थापित करने का निर्देश दिया गया जबकि संबंधित अधिकारियों को सब्जियों, फूलों और अखरोट की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्रमुख स्थानों पर एम्बुलेंस की तैनाती करने के लिए कहा गया। नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों (ईओ) को सभी मंदिरों में उचित सफाई बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

बैठक में अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी) मोहम्मद अल्ताफ खान, एसीडी सैयद नसीर अहमद, एसीआर मुश्ताक अहमद लोन, तहसीलदार, पीडीडी और पीएचई के इंजीनियर, सहायक निदेशक एफसीएस एंड सीए, मुख्य बागवानी अधिकारी (सीएचओ), ईओ और कश्मीरी पंडित समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

टाइनी स्कॉलर स्कूल में इंटर हाउस क्विज प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ 20 फरवरी (हि.स.)। टाइनी स्कॉलर स्कूल ने इंटर हाउस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपदेश अंडोत्रा अध्यक्ष भाजपा कठुआ और विशिष्ट अतिथि डॉ. कुलबीर सिंह सहायक प्रोफेसर जीडीसी कठुआ, मनीषा गुप्ता प्रबंध निदेशक उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक लैंप लाइटनिंग से हुई। छात्रों ने उत्साह और टीम भावना के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए आकर्षक राउंड के माध्यम से अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। अतिथियों ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और सीखने के प्रति प्रेम को प्रोत्साहित किया। कार्य YHIक्रम का समापन विजेताओं की घोषणा, उनकी उपलब्धियों और कड़ी मेहनत का जश्न मनाने के साथ हुआ। प्रथम पुरस्कार सरोजिनी हाउस जिसके सदस्य विशाल कोतवाल, आशीष बावा, पदमश्री, विवान भारद्वाज, अमित सिंह, प्रियांश शर्मा थे, प्रथम रनर अप टीम टैगोर हाउस, द्वितीय रनर अप टीम विवेकानंद हाउस और सांत्वना पुरस्कार गांधी हाउस को दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन टीजीटी विज्ञान आनंदिका ने किया और धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक प्रेरणा खजूरिया ने दिया।

कठुआ विधायक ने 2.5 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाया

कठुआ 20 फरवरी (हि.स.)। कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने जिला विकास परिषद के उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बब्लू के साथ खरोट से कठुआ रेलवे स्टेशन रोड का निर्माण कार्य शुरू कर जनता को समर्पित किया।

डॉ. भारत भूषण ने बताया कि 1.6 किलोमीटर का यह सड़क निर्माण कार्य 2.5 करोड़ की अनुमानित लागत से पूरा किया जा रहा है। यह सड़क अगले सप्ताह से एक दर्जन से अधिक गांवों को रेलवे स्टेशन कठुआ से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस सड़क का लाभ खरोट, जंगलोट, पटयारी, बागरा, मरोली, दिलवां, कलसपुर, राखे, मलूह आदि के ग्रामीणों को सीधे तौर पर मिलेगा क्योंकि अभी उन्हें रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए पहले कठुआ राष्ट्रीय राजमार्ग पर आना पड़ता है। अब वे इस छोटे मार्ग से रेलवे स्टेशन कठुआ पहुंच सकते हैं जिससे समय और धन की बचत होगी।

जिला विकास परिषद कठुआ के उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बब्लू ने कहा कि नाबार्ड योजना के तहत इस सड़क से आसपास के गांवों की 50,000 से अधिक आबादी को लाभ होगा और उन्होंने इस संबंध में उदार वित्त पोषण के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने गुणवत्तापूर्ण कार्य और जहां भी जरूरत हो, संरक्षण कार्य के साथ किसानों की भूमि की सुरक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर सहायक कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग कठुआ अविनाश गुप्ता, संबंधित जेई और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पूर्णिमा शर्मा ने महिला सशक्तिकरण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला

जम्मू ,20 फ़रवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला सशक्तिकरण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए इस संबंध में नवीनतम उदाहरण के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के चुनाव का हवाला दिया।

उनके साथ पार्टी प्रवक्ता रजनी सेठी और भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव नेहा महाजन भी थीं।

पूर्णिमा शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की, जिनके नेतृत्व में भाजपा ने 27 वर्षों के बाद दिल्ली के स्थानीय चुनावों में जीत हासिल की। ??उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह जीत पार्टी की नीतियों, शासन और लोगों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा ने सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री के रूप में मनोनीत करना इस दिशा में एक और कदम है, जो नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए पार्टी के समर्पण को मजबूत करता है।

उन्होंने रेखा गुप्ता के 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र नेता से लेकर विधायक और मुख्यमंत्री बनने तक के सफर पर प्रकाश डाला।

जम्मू हवाई अड्डे पर दो दिवसीय आपदा प्रबंधन मॉक अभ्यास किया आयोजित

जम्मू, 20 फरवरी (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जम्मू हवाई अड्डा प्राधिकरण और जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से दो दिवसीय आपदा प्रबंधन मॉक अभ्यास आयोजित किया। भूकंप मॉक ड्रिल में सभी हितधारकों, कई एजेंसियों ने भाग लिया। जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन विभाग किसी भी आपदा स्थिति से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और संसाधनों और प्रतिक्रियाकर्ताओं को जुटाने से जुड़ी नियमित तैयारी अभ्यास कर रहा है। दो दिवसीय मॉक अभ्यास के दौरान आपदा प्रबंधकों और प्रतिक्रियाकर्ताओं के अलावा विभिन्न हितधारकों को एक ही मंच पर एक साथ लाया गया जिससे उन्हें प्रभावी, समय पर और समन्वित प्रतिक्रिया के लिए अपनी क्षमताओं और विभिन्न प्रक्रियाओं/प्रक्रियाओं का दोहन करने में सक्षम बनाया जा सके।

एनडीएमए, एयरपोर्ट अथॉरिटी जम्मू, जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन विभाग, जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, होमगार्ड/सिविल डिफेंस, सेना, सीआरपीएफ, वायुसेना, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग, सभी आपातकालीन लाइन विभागों और आपदा मित्रों के विभिन्न अधिकारियों ने बचाव अभ्यास में भाग लिया। सभी भाग लेने वाले विभागों और एजेंसियों ने सराहनीय प्रयास किए और इस मॉक ड्रिल को सफल बनाया। डीएमआरआरआर विभाग भविष्य में भूकंप, बाढ़, आग और अन्य आपदाओं पर कई और मॉक ड्रिल, क्षमता निर्माण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगा ताकि एक सुरक्षित और आपदा प्रतिरोधी जम्मू-कश्मीर का निर्माण किया जा सके।

ऐतिहासिक कामेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व 21 से 27 फरवरी तक

अखनूर, 20 फरवरी (हि.स.)। कस्बे के ऐतिहासिक कामेश्वर मँदिर के महामंडलेश्वर महँत रामेश्वर दास ने वीरवार को महा शिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में पत्रकारों को सँबोधित करते कहा कि हर साल की तरह इस साल भी महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन मंदिर में 21 फरवरी से 27 फरवरी तक किया जाएगा।

उनहोंने बताया कि इसमें महारुद्र यज्ञ के साथ श्रीमद्भागवत सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कथावाचक डॉ. सत्य नारायण दास अपने प्रवंचनों से कथा का श्रवण कर सत्संग में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे। इसके अलावा विशाल जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कामेश्वर मँदिर में महा शिवरात्रि के पावन अवसर पर दूर दूर के क्षेत्रों से हजारों की तादाद में श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।

डेनिश मिश्रा ने जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के शीघ्र क्रियान्वयन की वकालत की

जम्मू, 19 फरवरी। भारतीय जनता युवा मोर्चा जम्मू-कश्मीर के प्रदेश उपाध्यक्ष डेनिश मिश्रा ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से आग्रह किया है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशानुसार अप्रैल 2025 तक नए आपराधिक कानूनों का पूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, बीजेवाईएम नेता ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम महत्वपूर्ण सुधार हैं, जो आपराधिक न्याय प्रणाली की दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, ये कानून न्यायिक प्रक्रियाओं को सुगम बनाएंगे, कानून प्रवर्तन को मजबूत करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि न्याय तेजी से और निष्पक्ष रूप से मिले। मिश्रा ने आगे पुलिस कर्मियों, विधि विशेषज्ञों और न्यायपालिका के सदस्यों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि इन नए कानूनों के सुचारू क्रियान्वयन में कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा, इन कानूनों के प्रभावी होने से पहले पर्याप्त तैयारी और प्रशिक्षण आवश्यक है, ताकि कानून प्रवर्तन में किसी भी तरह की कमी न रह जाए।

न्याय-संगत समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए, मिश्रा ने युवा पीढ़ी से इन परिवर्तनों को समझने और जम्मू-कश्मीर को कानूनी उत्कृष्टता का मॉडल बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

सेना ने नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

जम्मू, 20 फरवरी (हि.स.)। भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सद्भावना के तहत पूर्व सरपंचों, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी और आयुष दवाओं के समन्वय से खानपुर, नगरोटा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में सभी आयु वर्ग के लोगों जिनमें वृद्ध नागरिक, महिलाएं और बच्चे शामिल थे को सेना, सिविल अस्पताल और आयुष दवाओं के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा सेवा और विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार प्रदान किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सलाह और दवाएं दी गईं।

ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी और सिविल डॉक्टरों ने चिकित्सा शिविर के आयोजन में सहायता की।

शिविर में मरीजों की जांच की गई और उन्हें विशेष चिकित्सा सलाह दी गई।

जांच पूरी होने के बाद मेडिकल स्लिप पर लिखी दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान पूर्व सरपंच और अन्य सिविल पदाधिकारी भी मौजूद थे। शिविर आयोजित करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। साथ ही लोगों ने इस आयोजन की सराहना की।

राजौरी में पूर्व सरपंचों और पंचों के साथ चाय पर चर्चा का किया गया आयोजन

राजौरी, 20 फरवरी (हि.स.)। स्थानीय लोगों से जुड़ने और ग्रामीणों के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए चल रहे प्रयासों में भारतीय सेना ने सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, परात और सरसोती में पूर्व सरपंचों और पंचों के साथ कुछ स्थानीय लोगों के साथ चाय पर चर्चा का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी पूर्व सरपंचों और पंचों के साथ कुछ स्थानीय लोगों ने भाग लिया। सभी सदस्यों ने गहरी दिलचस्पी दिखाई और चर्चा में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य सार्थक चर्चाओं के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को सामने लाना और भारतीय सेना के साथ संबंधों को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में सामुदायिक विकास, सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने, गांवों की प्रगति और समुदाय के भविष्य को आकार देने में स्थानीय शासन की भूमिका सहित विभिन्न विषयों पर खुली और रचनात्मक चर्चा को प्रोत्साहित किया गया।

इस बैठक में बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, मानसिक स्वच्छता, शिक्षा और स्थायी सामुदायिक पहल जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।

24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए जेपीडीसीएल के चीफ इंजीनियर से मिला प्रतिनिधिमंडल

जम्मू, 20 फरवरी (हि.स.)। कटरा चैंबर ऑफ टूरिज्म, ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीटीआईके) के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष राज कुमार पाधा और सचिव अतुल शर्मा के नेतृत्व में जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेपीडीसीएल) के मुख्य अभियंता के.के. थपा से मुलाकात की और क्षेत्र में आतिथ्य उद्योग को प्रभावित करने वाली बिजली आपूर्ति संबंधी गंभीर चिंताओं पर चर्चा की। चर्चा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आतिथ्य क्षेत्र में बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और इसकी तुलना उद्योग की जीवनधारा से की। निर्बाध बिजली पर होटलों और अन्य प्रतिष्ठानों की महत्वपूर्ण निर्भरता को देखते हुए प्रतिनिधिमंडल ने जेपीडीसीएल से सालाना पवित्र शहर कटरा आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों के लिए व्यवसायों के निर्बाध संचालन को बनाए रखने के लिए 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने केवीएएच टैरिफ संरचना के तहत बिजली बिलिंग के मुद्दे को मुख्य अभियंता के ध्यान में लाया जिसे पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया गया है।

कोहरे के कारण हेलिकॉप्टर सेवा स्थगित

जम्मू, 20 फरवरी (हि.स.)। त्रिकुटा पहाड़ियों में बसे श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रियों के लिए बारिश के मद्देनजर और कोहरे के कारण गुरुवार को कटरा से सांझी छत तक की हेलिकॉप्टर सेवा स्थगित कर दी गई है।

एक अधिकारी ने कहा कि बारिश के कारण त्रिकुटा पहाड़ियों में घना कोहरा छाया हुआ है जिसके कारण कटरा से सांझी छत तक की हेलिकॉप्टर सेवा स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि निलंबित हेलिकॉप्टर सेवा के कारण तीर्थयात्री या तो पैदल यात्रा कर रहे हैं या पिट्ठू, पालकी, टट्टू सेवा का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौसम में सुधार होने पर हेलिकॉप्टर सेवा फिर से शुरू हो जाएगी।

दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं पर किया विमर्श

अखनूर, 20 फरवरी (हि.स.)। जलशक्ति इम्पलाइज वर्कर एसोसिएशन के सदस्यों की बैठक का आयोजन प्रधान बीरबल शर्मा की अगुवाई में किया गया। इसमें दैनिक वेतनभोगियों को पेश आने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया और इनकी समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया।

प्रधान बीरबल शर्मा ने बैठक को सँबोधित करते हुए जम्मू कश्मीर सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मांग की कि सरकार डेलिवेजरो को तत्काल पक्का करने के लिए कारगर कदम उठाए क्योंकि पीएचई विभाग में पिछले कई सालों से कार्यरत डेलिवेजरों को एक आस बनी है जबकि डेलिवेजरों को समय-समय पर वेतन न मिलने के कारण कई प्रकार की आर्थिक परेशानियों का सामना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अब सरकार डेलिवेजरों को पक्का करके उनके साथ इंसाफ करे क्योंकि पूर्व की सरकारों ने डेलिवेजरो के साथ अन्याय किया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सभी दैनिक वेतनभोगियों को लंबित वेतन जारी किया जाना चाहिए। इस मौके पर रामकृष्ण, सूरम चन्द, प्रशोत्म सिंह, अशोक कुमार, सूरम सिंह, राकेश सिंह आदि उपस्थित थे।

जेकेजीआरएस ने की सदस्यता अभियान में भाग लेने की अपील

जम्मू, 20 फरवरी (हि.स.)। अखिल जम्मू एवं कश्मीर गुरु रविदास सभा (एजेकेजीआरएस), कृष्णा नगर, जम्मू के चुनाव बोर्ड के अध्यक्ष इंजीनियर दर्शन कुमार कलसोत्रा ने सभी शाखा सभाओं, ग्राम एवं मोहल्ला समितियों तथा जम्मू एवं कश्मीर के रविदासिया/रामदासिया बिरादरी के सदस्यों से गुरु रविदास सभा के चल रहे सदस्यता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की महत्वपूर्ण अपील की। चुनाव बोर्ड ने गुरूवार को आधिकारिक रूप से सदस्यता पुस्तिकाओं का वितरण शुरू कर दिया है। पहली पांच पुस्तिकाएं (प्रत्येक में 100 पत्रक) गुरु रविदास सभा, कृष्णा नगर (मुख्य कार्यालय) के संयोजक को जारी की गई हैं। सभी शाखा सभाओं, ग्राम एवं मोहल्ला समितियों तथा समुदाय के सदस्यों से अनुरोध है कि वे अखिल जम्मू एवं कश्मीर गुरु रविदास सभा, कृष्णा नगर, जम्मू में चुनाव बोर्ड कार्यालय में आकर अपनी सदस्यता पुस्तिकाएं प्राप्त करें तथा इस सदस्यता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें। कोई भी बिरादरी सदस्य जो कृष्णा नगर, जम्मू स्थित प्रधान कार्यालय के माध्यम से सदस्यता प्राप्त करना चाहता है विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ कोई शाखा सभा, गाँव या मोहल्ला समितियाँ मौजूद नहीं हैं वे सभा के संयोजक के कार्यालय के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं। यह सदस्यता अभियान हमारे समुदाय के भीतर एकता और जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से एक आवश्यक पहल है। आपकी सक्रिय भागीदारी और समन्वय यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक पात्र सदस्य को उनकी सदस्यता पुस्तिका तक पहुँच प्राप्त हो। हम अपनी-अपनी सभाओं और समितियों के सभी सदस्यों से आग्रह करते हैं कि वे जागरूकता फैलाएँ और सभा के मतदाता के रूप में पंजीकरण में भागीदारी को प्रोत्साहित करें। हम इस महत्वपूर्ण अभियान की सफलता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और समुदाय से पूरे दिल से भागीदारी की उम्मीद करते हैं।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

UnionTerritoryofJammu&Kashmir
Jal Shakti(Irrigation & FloodControl)Department
Mechanical Irrigation Division, Jammu
Email/Fax :ifcj.xenmidjmu@gmail.com
****

ABSTRACT OF NOTICE INVITING E-TENDERS
e-NIT No. MID/J/e-NIT/2024-25/144 Dated: 19/02/2025

Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division, Canal Road, Jammu, on behalf of Lt. Governor of J&K UT, invites tenders by e-tendering mode from registered and reputed Firms Fabrication of new gate at Kanachak distributary for Karloop khul-1 along with allied works of other gates in Marh area..The bidding process shall be completed online in two covers viz. Cover 'I' -Tender fee and Earnest Money Deposit, fulfillment of prequalification criteria, technical specifications and acceptance of terms and conditions of the tender and Cover 'II' - Financial Bid in the prescribed BOQ.

S. No.	Name of Work	Qty.	Earnest Money	Cost of tender document	Period of completion	Validity of Rates	Name of Division
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	*Fabrication of new gate at Kanachak distributary for Karloop khul-1 along with allied works of other gates in Marh area.*	Complete job as per Scope of Work	2% of the quoted value	Rs200.00	10 Days	180 Days from date of Submission of bid.	Mechanical Irrigation Division, Jammu.

1. The tender documents can be viewed and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from: 19/02/25 (06:00PM)
2. Submission of online bids: 20/02/25(10:00 AM) to 27/02/25 (02:00 P.M).
3. Opening of Cover I online bids: 28/02/2025 (2:00 PM)

DIP/J-10387/24
Dtd: 20-2-2025

-sd-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Jammu

डीएलएसए श्रीनगर ने विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया

श्रीनगर, 20 फरवरी (हि.स.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) श्रीनगर ने जिला न्यायालय परिसर श्रीनगर में विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाया। यह कार्यक्रम जाफर हुसैन बेग अध्यक्ष डीएलएसए श्रीनगर और प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनगर की अध्यक्षता में और नुसरत अली हकक सचिव डीएलएसए श्रीनगर की देखरेख में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक न्याय के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समाज के सभी सदस्यों के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देना था। इसमें डीएलएसए श्रीनगर के स्टाफ सदस्य, पैनल वकील, कानूनी सहायता बचाव वकील और पैरा-लीगल स्वयंसेवकों ने भाग लिया जिससे सामाजिक निष्पक्षता और समावेशिता प्राप्त करने पर संवाद के लिए एक मंच तैयार हुआ। नुसरत अली हकक ने अपने संबोधन में इस दिन के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि सामाजिक न्याय एक न्यायपूर्ण समाज की नींव रखता है जहां लिंग, जाति, धर्म या सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी के साथ कानून के समक्ष सम्मान और समानता का व्यवहार किया जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को अदालतों से परे अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने और अपने-अपने समुदायों के भीतर सामाजिक न्याय के लिए चैंपियन बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया। डीएलएसए श्रीनगर के पैनल अधिवक्ता नवीद गुल और अधिवक्ता माहिरा भट ने इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। अधिवक्ता नवीद गुल ने न्याय को सभी के लिए सुलभ और किफायती बनाने में कानूनी पेशेवरों की भूमिका को रेखांकित किया और समावेशी कानूनी ढांचे के निर्माण में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। अधिवक्ता माहिरा भट ने दिन के विषय पर विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक व्यक्ति के निष्पक्ष व्यवहार के अधिकार को जोश और समर्पण के साथ बरकरार रखा जाना चाहिए। दोनों अधिवक्ताओं ने उपस्थित लोगों से अधिक न्यायपूर्ण और दयालु समाज बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

भाजपा नेता ने पुंछ में 'बजट पे चर्चा' की अगुवाई की

जम्मू, 20 फ़रवरी (हि.स.)।पुंछ- वरिष्ठ भाजपा नेता और पार्टी प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने पुंछ में एक प्रभावशाली 'बजट पे चर्चा' कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रमुख नागरिकों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बातचीत की गई।

कार्यक्रम में विकसित भारत विजन के तहत सरकार के विकास रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें डॉ. चौधरी ने केंद्रीय बजट 2024-25 में उल्लिखित जन-केंद्रित पहलों पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. चौधरी ने बजट के परिवर्तनकारी प्रभाव को रेखांकित किया, विशेष रूप से किसानों, युवाओं, महिलाओं और हाशिए के समुदायों के लिए। उन्होंने बढ़े हुए आवंटन और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में विकास को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। डॉ. चौधरी ने विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होने के लिए इंडिया एलायंस की आलोचना करते हुए कहा, जबकि सरकार समावेशी विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है, कुछ विपक्षी दल जाति और जनगणना जैसे मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने के साथ-साथ राजनीतिक लाभ के लिए निर्दोष किसानों को भड़काने का काम कर रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय बजट 2024-25 के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित 11 लाख करोड़, कृषि के लिए 1.50 लाख करोड़ और पीएम आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत 10 लाख करोड़ का निवेश शामिल है। इसके अलावा, रेलवे के लिए ऐतिहासिक 2.62 लाख करोड़ और रक्षा के लिए 6.2 लाख करोड़ के आवंटन को देश के बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के लिए गेम चेंजर के रूप में देखा गया। जम्मू और कश्मीर के लिए, डॉ. चौधरी ने 1,18,390 करोड़ के आवंटन पर जोर दिया, जिसमें राजस्व व्यय के लिए 81,486 करोड़ और पूंजीगत व्यय के लिए 36,904 करोड़ शामिल हैं।

संपादकीय

प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करें

ऐसे समय में जब जम्मू-कश्मीर पिछले कई महीनों से भारी बारिश की कमी के कारण गंभीर जल संकट से जूझ रहा है, केंद्र शासित प्रदेश के निर्वाचित प्रमुख लोगों से पानी के अधिक जिम्मेदराना उपयोग की प्रथाओं को अपनाने का आग्रह कर रहे हैं। जबकि यह वास्तव में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करे, विशेष रूप से संकट के समय में, मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया दृष्टिकोण समस्या के मूल कारणों को ठोस, दीर्घकालिक समाधानों के साथ संबोधित करने के बजाय लोगों पर ज़िम्मेदारी डालने के बारे में अधिक प्रतीत होता है।

पानी की गंभीर कमी रातों-रात नहीं आती है; यह निरंतर पर्यावरणीय परिवर्तनों, खराब बुनियादी ढाँचे की योजना और समय पर हस्तक्षेप की कमी का परिणाम है। यह देखते हुए कि सर्दियों के महीनों में पहाड़ों पर काफी कम बर्फबारी हुई है और बारिश में उल्लेखनीय कमी आई है, यह स्पष्ट था कि इस क्षेत्र को गर्मियों के महीनों में भीषण जल संकट का सामना करना पड़ेगा। इस तरह के संकट का अनुमान लगाने और उसे कम करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सरकार की है। लोगों से केवल पानी की खपत में सावधानी बरतने का आह्वान करने के बजाय, मुख्यमंत्री को प्रत्याशित कमी से निपटने के लिए प्रभावी उपायों को लागू करने का नेतृत्व करना चाहिए था। प्रशासन का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि स्थिति और बिगड़ने से पहले जल संरक्षण योजनाएँ, बेहतर भंडारण प्रणाली और वितरण नेटवर्क स्थापित हो जाएँ।

कम बारिश के चेतावनी संकेतों और पानी की उपलब्धता पर इसके सीधे प्रभाव को नज़रअंदाज़ करने से न केवल लोगों के लिए बल्कि मुख्यमंत्री की अपनी राजनीतिक स्थिति के लिए भी विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। जब मतदाता भीषण गर्मी के महीनों में पानी की कमी से जूझ रहे हों, तो वे बहानेबाजी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होंगे। अगर सूखा जारी रहा, तो इससे गंभीर सूखा पड़ सकता है, जिससे संकट और बढ़ सकता है। ऐसे में जनता में असंतोष बढ़ना तय है, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि पानी बचाने की सिर्फ़ अपीलें ही पर्याप्त नहीं होंगी।

इसके अलावा, जम्मू के कुछ इलाकों में प्रशासन की अक्षमता पहले से ही स्पष्ट है, जहाँ अधिकारियों ने स्थायी समाधान लागू करने के बजाय टैंकरों के ज़रिए पानी की आपूर्ति का सहारा लिया है। यह प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण मौजूदा संकट से निपटने में तैयारी और दूरदर्शिता की कमी को दर्शाता है। सरकार को नागरिकों को पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की सलाह देने के बजाय वर्षा जल संचयन, जलाशयों का निर्माण और जल वितरण बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण जैसे बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। लोगों पर बोझ डालने के बजाय, मुख्यमंत्री को एक स्थायी जल प्रबंधन योजना शुरू करने और उसे लागू करने के लिए निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए। केंद्र शासित प्रदेश के हर क्षेत्र में पर्याप्त और निरंतर जल आपूर्ति होनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक अक्षमताओं के कारण नागरिकों को परेशानी न हो। नेतृत्व का मतलब समाधान खोजना है, न कि केवल सलाह देना, और जम्मू-कश्मीर के लोग केवल सुझावों के बजाय सक्रिय शासन के हकदार हैं।

रेखा राज के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रमेश ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भारी मंथन के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजे के 12वें दिन रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा हुई। मुख्यमंत्री के नाम पर चौंकाने वाली भाजपा की शैली विभिन्न राज्यों की तरह दिल्ली में भी जारी रही। भाजपा के जीते 48 विधायकों में शायद कोई एकाध नाम छूटा हो, जिसका नाम सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के दावेदार के तौर पर न आया हो। कयास तो प्रवेश वर्मा को लेकर लगाए जा रहे थे लेकिन अंत में वे पिछड़ गए। क्यों पिछड़े, इसका जवाब किसी के पास नहीं। 08 फरवरी के चुनाव परिणाम के दिन से लेकर 19 तारीख की देर शाम तक मुख्यमंत्री के नाम को लेकर भाजपा ने सस्पेंस बरकरार रखा। जैसे पिटारे से नाम निकला, सभी एकबार फिर चकित रह गए। ऐसा नाम जिसकी कल्पना तक किसी नहीं की थी।

मुख्यमंत्री के नाम का सस्पेंस 12वें दिन खत्म किया गया। सप्ताह भर तक नाम को गुप्त रखा गया। पार्टी ने विचार करके और आरएसएस की सिफारिश पर ही दिल्ली के शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से चुनी गईं रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा की। हालांकि, वरिष्ठता के लिहाज से रेखा गुप्ता अन्य विधायकों के मुकाबले बहुत जूनियर हैं। रेखा के नाम की जब घोषणा हुई, कई के चेहरे की रंगत बदल गई।

भाजपा ने एक और नई परंपरा शुरू की है। चुनाव जीतने के बाद राज्यों में किसी बड़े चेहरे को मुख्यमंत्री के पद पर न बिठाने की। दिल्ली में भी कई प्रचलित व दिग्गज नेता मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे लेकिन उनके दावे धरे रह गए। अब मुख्यमंत्री बनने के बाद रेखा गुप्ता के समक्ष सियासी कौशल साबित करने की चुनौती है। चुनाव अभियान के दौरान दिल्ली के मतदाताओं से किए गए पार्टी के वायदों को जमीन पर उतारना सबसे बड़ी चुनौती है जिनमें फ्री की योजनाएं, बिजली-पेयजल की समस्या से निबटना, यमुना की सफाई, बेरोजगारी जैसे बड़े मसले शामिल हैं। इसके साथ परीक्षा आम आदमी पार्टी की भी है। पार्टी का गठन होते ही सत्ता में पहुंच जाने वाली पार्टी को अबतक विपक्ष का कोई अनुभव नहीं है और अब उसे यह साबित करना होगा कि विपक्ष की भूमिका में वे कितने सक्षम हैं।

भाजपा का चुनाव जीतने के बाद अंत तक मुख्यमंत्री के नाम को सार्वजनिक नहीं करने की चौंकाने वाली शैली इस समय चर्चाओं में है। ये सिलसिला बीते कुछ वर्षों से लगातार जारी है। पिछले ही साल मध्य प्रदेश और राजस्थान में इसी शैली ने सबको चौकाया था। मप्र में डॉ. मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा को सामने लाकर पार्टी ने प्रदेशों में खलबली मचा दी थी। उन तीनों राज्यों के निर्णयों में एक बात जो कॉमन थी वह यह कि तीनों ही मुख्यमंत्री आरएसएस और भाजपा की राजनीतिक-संस्कृति में पले-बढ़े हैं। तीनों नाम संघ-भाजपा की आपसी सहमति से तय हुए। पेशे से वकील रेखा गुप्ता सालों से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़ी रही हैं।

हरियाणा के जींद जिला स्थित नंदगढ़ में जन्मी रेखा गुप्ता को लेकर भाजपा ने मास्टर स्ट्रोक खेला। इस समय देश की ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं लेकिन इनमें किसी में महिला मुख्यमंत्री नहीं है। इसलिए राजधानी में महिला को मुख्यमंत्री बनाकर उस कमी को भाजपा ने दूर किया है। विपक्षी दल ये आरोप लगाते आए थे कि भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात तो करती है, पर निभाती नहीं। पार्टी ने जातीय समीकरण को देखकर ही रेखा गुप्ता का चयन किया है। वह वैश्य समाज से संबंधित हैं और दिल्ली में वैश्य बहुतायत संख्या में है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी वैश्य थे, उनकी काट पार्टी ने रेखा के जरिए की है। वैश्य समुदाय से जुड़े पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता विजेंद्र गुप्ता के नाम पर भी विचार हुआ, तब भी इस समीकरण को साध सकते थे लेकिन महिला होने के नाते रेखा गुप्ता का पलड़ा भारी पड़ा।

भविष्य की चुनौतियों की जहां तक बात है तो उसका मुकाबला करने के लिए न सिर्फ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जमीन पर उतरना पड़ेगा बल्कि भाजपा की पूरी मशीनरी को सामूहिक रूप से दिल्ली में मोर्चा संभालना होगा। पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान वायदों की बौछार कर दी थी जिन्हें पूरा करना होगा। वादे पूरे इसलिए करने होंगे, क्योंकि भाजपा को इसके जरिये देश के अन्य राज्यों को भी संदेश देना है। इसके बाद भाजपा को बिहार कूच करना है। दिल्ली का मौजूदा बजट 76 हजार करोड़ के आसपास है जिसमें नई सरकार को बेतहाशा वृद्धि करनी पड़ेगी, तभी सरकार सभी वायदों का खर्च उठा पाएगी। महिलाओं को नगद पैसे देना, पेंशन में बढ़ोतरी, बिजली-पानी फ्री, बस फ्री, प्रेग्नेंट महिलाओं की आर्थिक मदद इत्यादि।

रेखा गुप्ता की राजनीति अभी तक नगर निगम तक सीमित रही है। बड़े ओहदे का उन्हें अनुभव नहीं है। निगम में उनके द्वारा माइक तोड़ने की घटना, केजरीवाल को अनाप-शनाप कहने वाले बयान सोशल मीडिया पर तैर रहे हैं। बहरहाल, दिल्ली की राजनीति में चुनौतियों का दौर सत्ता पक्ष और विपक्षी दोनों के लिए शुरू होगा। हारने के बाद आम आदमी पार्टी और विजय प्राप्ति के बाद भाजपा, दोनों दिल्ली में अपने-अपने राजनीतिक वजूद बचाने और बढ़ाने में जुटेंगी। कांग्रेस के समक्ष भी चुनौतियां हैं, वह भी इससे उबरने की कोशिश करेगी। देखते हैं कि कौन-कौन परीक्षा में सफल होगा या विफल।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जनजातीय हितों व श्रद्धा पर केंद्रित हो नई वननीति

डॉ. प्रवीण गुगनानी

वनग्राम, वनों से सटे राजस्व ग्राम, जनजातीय समाज, वनों के भीतर कृषि का अधिकार, जनजातीय समाज को वनों के सीमित उपयोग की अनुमति आदि-आदि विषय मप्र में एक बड़ा सामाजिक सरोकार का प्रश्न रहे हैं। यह प्रश्न अब गहरा रहा है। मप्र सरकार कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को बिगड़े जंगल अनुबंध पर साठ वर्ष हेतु देने के प्रस्ताव पर विचाररत है। नई नीति में निजी क्षेत्र को विभाग के अनुसार नए पौधे लगाने होंगे। दो वर्ष में पौधे नहीं उगे तो अनुबंध समाप्ति का अधिकार शासन के पास सुरक्षित रहेगा। इन वनों का कार्बन क्रेडिट, वन विभाग के माध्यम से विक्रय करेंगे। इस नीति के अनुसार एक हजार हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रावधान है। अनुबंधित वनों से प्राप्त वनोपज का पांचवां भाग वन समिति और शेष चार भाग वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेंगे। फल वनोपज का आधा भाग निजी कंपनी को प्राप्त होगा।

मप्र में 37 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बिगड़े वन हैं, इसे ही निजी क्षेत्र में सौंपने की तैयारी है। नई नीति के अन्तर्गत निजी निवेशकों का इन वनीय क्षेत्रों की उपज व कार्बन क्रेडिट पर प्रथम अधिकार होगा। नई नीति का नाम फ्सीएसआर एवं कंपनी एन्वायरमेंट रिस्पांसिबिलिटी एवं अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापनाफ् है। इसके अंतर्गत मप्र में निजी निवेशक न्यूनतम दस हेक्टेयर वन का चयन कर सकेंगे।

नई वन नीति में कई विसंगतियाँ हैं, जिससे वनीय विविधता की हत्या हो जाएगी। जिस प्रकार समर्थन मूल्य के कारण मप्र व अन्य प्रदेशों की कृषि विविधता समाप्त हो गई है, उसी प्रकार वन विविधता समाप्त हो जाएगी। जब वनीय विविधता समाप्त होगी तो सर्वप्रथम वनीय जैव विविधता, बड़ी तीव्रता से समाप्त होगी। वनवासियों हेतु हर वृक्ष का हर उत्सव व ऋतु में अलग-अलग आस्था का सम्बंध होता है। हजारों-लाखों प्रकार के जीव-जंतुओं का भोजन, उनकी औषधियां, उनकी रहवासी आवश्यकताएँ सभी कुछ समाप्त हो जाएंगे। जीव-जंतु तो छोड़िए जनजातीय समाज और नगरीय समाज को मिलने वाली हजारों वनीय औषधियां, जड़ी-बूटियाँ, रसायन, मौसमी उत्पाद सभी कुछ समाप्त हो जाएँगे। प्रकृति की अविरल धारा के समक्ष एक बड़ा अवरोध व परिवर्तन उपस्थित होगा जिससे कई प्रकार की असंगतियाँ-विसंगतियाँ देखने को मिलेंगी। अनुबंध पर जंगल लेने वाले व्यसायी केवल लाभ से सरोकार रखेंगे। निजी वन व्यवसायी और कम्पनियाँ आदि; राष्ट्रीय, पर्यावरणीय, सामाजिक, धार्मिक विषयों के प्रति कोई सरोकार या संवेदनशीलता रखने से तो रहे। व्यावसायिक लाभ ही एकमेव लक्ष्य होगा, इससे वनोपज में असंतुलित वृद्धि तो हो सकती है किंतु पर्यावर्णीय हानि, जैव व वन विविधता की हानि व वनवासी समाज के साथ शासन व शेष समाज के सम्बंध बिगड़ सकते हैं। नई वन नीति की सम्पूर्ण समीक्षा की आवश्यकता है। या तो यह नीति रद्द हो या फिर इस नीति में वनीय, विविधता, जैव विविधता, जलीय सरंचनाओं, वनीय पशु-पक्षियों की आवश्यकताओं, वनवासी बंधुओं की आजीविका आदि विषय में सुरक्षा की गारंटी हो।

नई वन नीति में जिसे बिगड़े वन कहा जा रहा है, उसकी परिभाषा भी तय नहीं है। ग्राम सभा की अनुमति की शर्त भी बड़ी ही आसान व एक औपचारिकता मात्र है। केवल मूल्यवान लकड़ी प्रदान नहीं करने वाले वनों को बिगड़ा हुआ वन मान लेना एक बड़ी प्रदूषित, शोषक, स्वार्थी व एकपक्षीय नीति है। वनवासी बंधुओं की धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक आवश्यकताओं एवं पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए वनीय विविधता बनी रहे, यह परम आवश्यक है। इस नई वन नीति से हमारी आने वाली पीढ़ियाँ कई वन उत्पादों के केवल नाम ही सुन पाएगी। आज जिस प्रकार कृषि क्षेत्र में केवल दो चार प्रकार के अन्न का उत्पादन हो रहा है व शेष फसलों का उन्मूलन होता जा रहा है, वही स्थिति वनों में भी देखने को मिलेगी। प्रत्येक ऐसे वृक्ष को जिससे आर्थिक लाभ नहीं होता है या कम लाभ होता है, उसे कुल्हाड़ी की बलि चढ़ाकर वहाँ व्यावसायिक लाभ की दृष्टि से मूल्यवान पेड़ लगा दिए जाएँगे। लाभमात्र के मूलमंत्र से पारिस्थितिकी संतुलन व इको सिस्टम समाप्त होगा। वनों में ये कंपनियां बेतहाशा इको टूरिज़्म को बढ़ावा देंगी, यह लाभप्रद तो अवश्य ही होगा किंतु इसके गंभीर साइड इफ़ेक्टस भी हो सकते हैं। आशंका है कि वनों को लेकर अंधाधुंध दोहन की या केवल लाभ की नीति से पर्यावरण असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।

वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के समय भी इस प्रस्ताव को लाया गया था जो बाद में फाइलों में बंद हो गया। फ़ाइलों में बंद इस जिन्न को मप्र वन विभाग के नौकरशाहों ने पुनः बाहर निकाला है। यद्यपि यह मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की संवेदनशीलता ही है कि सरकार ने अभी एकतरफा निर्णय नहीं लिया है तथापि मुख्यमंत्री को जनजातियों के प्रति असंवेदनशील, वन नीति से सावधान रहना होगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कुछ ही दिन पहले एक टास्क फोर्स की मीटिंग हुई थी, जिसमें वन अधिकार कानून के तहत ग्राम सभाओं को अपने परंपरागत वन क्षेत्र के पुनर्निर्माण, संवर्धन, संरक्षण एवं प्रबंधन के अधिकार देने का निर्णय हुआ था। संभवतः इसी को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री ने इस वन नीति के प्रारूप को अभी सहमति नहीं दी होगी। मप्र शासन ने नई वननीति के संदर्भ में ड्डश्चष्-ष्द्बह्ल.द्बश्च.द्द१.द्बठ्ठ पर जनता से सुझाव व आपत्तियाँ माँगी हैं। सभी पर्यावरणविदों को सुझाव देना चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि शासकीय आय बढ़ाने के इस उपक्रम को वन शोषण का धत्कर्म बना दिया जाए। वन विकास के नाम पर कहीं हमारे वन, व्यवसाइयों व दलालों की भेंट न चढ़ जाएँ। मप्र की जनता से प्राप्त होने वाले सुझावों और आपत्तियों को देखते हुए नीति में वांछनीय परिवर्तन या संपूर्णतः अस्वीकृत भी किया जा सकता है। मप्र की भाजपा सरकार की ओर से यह शुभ संकेत है और एक अवसर भी। वस्तुतः स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 में यह निष्कर्ष था कि मध्यप्रदेश, 97 हजार वर्ग किमी वनक्षेत्र वाला देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसमें यह तथ्य भी उभरकर आया था कि 2021 की तुलना में 2023 में मप्र में 612 वर्ग किमी जंगल कम हो गए हैं।

मप्र में चालीस प्रतिशत से कम घनत्व वाले वनों को बंजर भूमि या ओपन फॉरेस्ट कहा गया है। इस वनभूमि को ही निजी क्षेत्रों में देना प्रस्तावित है। मप्र सरकार का लक्ष्य इस बंजर भूमि पर वनक्षेत्र बढ़ाना है। किंतु इस लक्ष्य के पीछे कहीं उद्योगपति इनका शोषण न करने लग जाएँ। इस हेतु शासकीय व सामाजिक विजिलेंस का एक बड़ा नेटवर्क निर्मित करना होगा। ग्राम समितियों को नई नीति में शासन की आँख, कान, नाक बनाकर सोशल विजिलेंस का नया उदाहरण समूचे देश के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के पहले भाग में सीएसआर और सीईआर (कॉर्पोरेट एन्वायरमेंट रिस्पांसबिलिटी) निधि से वन विकास का उल्लेख है। दूसरे भाग में निजी निवेश से ओपन फारेस्ट के विकास का लक्ष्य है। यह ड्राफ्ट रोजगार सृजन, राजस्व की सृजन आदि विषय में भी अस्पष्ट है।

एक सुझाव यह भी है कि नई वन नीति समूचे मप्र हेतु एक जैसी न बने। इस नीति को क्षेत्रवार, भौगोलिक विशेषताओं, विशिष्टताओं, वनीय बंधुओं की आवश्यकतानुसार, वनीय बंधुओं की परंपराओं आदि को ध्यान में रखकर वनीय बंधुओं के रोजगार सृजन के लक्ष्य, वनवासी बंधुओं के विस्थापन-स्थापन की सधी हुई दृष्टि से निर्मित करना होगा। मप्र की नई वननीति व्यवसाय नहीं अपितु वनवासी समाज केंद्रित हो, यह ध्यान में रखना ही होगा।

(लेखक, जनजातीय विषयों के विशेषज्ञ हैं।)

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटनाएं बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद हैं।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारें भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। इन दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है, भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है, ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है। इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो 'फोर्सेज का ट्रांसमिशन' यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी.। 14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगलसराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुट ओवरब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी।

हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा-सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठा होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हमें उम्मीद नहीं थी कि न्यूजीलैंड बोर्ड पर 320 रन बनाएगा : मोहम्मद रिजवान

एजेंसी

सिडनी। मैच के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि वे 320 तक पहुंच जाएंगे। हमने सोचा था कि उन्हें 260 के आसपास रोक लेंगे, लेकिन विल यंग और लैथम ने बहुत समझदारी से खेला। अंतिम ओवरों में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं था, जिससे उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया। रविवार को पाकिस्तान का मुकाबला अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा। इस मैच में हार पाकिस्तान की खिताबी रक्षा की उम्मीदों को खत्म कर सकती है। हालांकि, बढ़ते दबाव के बीच रिजवान ने कहा, हम इस मैच को एक सामान्य मुकाबले की तरह लेंगे और खुद पर गत चैंपियन होने का अतिरिक्त दबाव नहीं डालेंगे। अब सभी की निगाहें भारत-पाकिस्तान के हाई-वोल्टेज मुकाबले पर टिकी हैं, जहां पाकिस्तान को हर हाल में जीत की दरकार होगी।

एफआईएच हॉकी प्रो लीगः भारत ने जर्मनी को 1-0 से हराया

भुवनेश्वर। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष) में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 1-0 से मात दी। यह मुकाबला भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेला गया, जहां गुरजंत सिंह के गोल ने भारत को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया। पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और चौथे मिनट में बढ़त बना ली। राजिंदर सिंह के बेहतरीन पास को मनदीप सिंह ने गोल में बदलने की कोशिश की, लेकिन जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर ने इसे रोक लिया। हालांकि, गुरजंत सिंह ने मौके का फायदा उठाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और जर्मनी को बराबरी करने से रोके रखा। जर्मन खिलाड़ी थिस प्रिंज़ ने कुछ शानदार मूव्स दिखाए, लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की सतर्कता ने उन्हें गोल करने से रोक दिया। पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोंजालो पेइलाट की ड्रैग-फ्लिक निशाने से चूक गई और भारत 1-0 की बढ़त के साथ आगे रहा। दूसरे क्वार्टर में भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा मैदान में उतरे, लेकिन जर्मनी का आक्रमण उस स्तर का नहीं रहा कि उन्हें ज्यादा मेहनत करनी पड़ी।

नई दिल्ली मैराथनः 25,000 से अधिक धावक लेंगे हिस्सा, गोपी चंद और रहाणे दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली 23 फरवरी को देश के सबसे बड़े मैराथन आयोजनों में से एक की मेजबानी करने जा रही है। अपोलो टायर्स नई दिल्ली मैराथन के 10वें संस्करण में 25,000 से अधिक धावकों के शामिल होने की उम्मीद है। इस प्रतिष्ठित मैराथन को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) द्वारा राष्ट्रीय मैराथन का दर्जा दिया गया है और इसे एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन (एआईएमएस) तथा विश्व एथलेटिक्स द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

गोपी चंद और अजिंक्य रहाणे दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली मैराथन के आयोजकों के अनुसार, इस बार की रेस को हरी झंडी दिखाने के लिए पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और पद्म श्री पुरस्कार विजेता पुलेला गोपी चंद और भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे मौजूद रहेंगे। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से यह मैराथन शुरू होगी और दिल्ली की ऐतिहासिक सड़कों से होकर गुजरेगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा आकर्षण

इस साल मैराथन को भारत के 27 राज्यों और 543 शहरों के अलावा 24 देशों के धावकों की भागीदारी मिली है, जिससे यह एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बन गया है।

चार श्रेणियों में होगी दौड़

धावकों को चार श्रेणियों ङ्क पूर्ण मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.097 किमी), 10य और 5य में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।

हाकी प्रतियोगिताः राजस्थान को हराकर यूपी ग्रेस पहुंचा फाइनल में

लखनऊ। आल इंडिया के.डी. सिंह बाबू सब जूनियर प्राइज मनी हाकी टूर्नामेंट में दो सेमीफाइनल मैच खेले गये। इसमें यूपी ग्रेस ने राजस्थान हाकी एसोसिएशन को 6-4 से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओडिसा की नावेल टाटा एकेडमी ने पंजाब की राउंड ग्लास एकेडमी को दो-एक से मात दी। राउंड ग्लास और नावेल टाटा के बीच मुकाबला बहुत कांटे का रहा। पहले राउंड में दोनों टीमें गोल करने के लिए पसीने बहाती रहीं, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका। दूसरे राउंड में 17वें मिनट में नावेल टाटा ने एक गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद पंजाब की राउंड ग्लास के खिलाड़ियों ने भी अपनी रफ्तार बढ़ाई। बहुत प्रयास किये, कई बार गोल से चूक गये। इसी बीच तीसरे राउंड में 35वें मिनट में नावेल टाटा की टीम ने एक गोल पुनःदाग दिया। चौथे राउंड में 58वें मिनट में राउंड ग्लास ने एक गोल किया, लेकिन इसके बाद कोई गोल नहीं हो सका और नावेल टाटा की टीम ने 2-1 से मैच जीत कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं दूसरा मैच यूपी ग्रेस और राजस्थान हाकी एसोसिएशन के बीच हुआ। पहले राउंड में कोई टीम गोल नहीं कर सकी, लेकिन दूसरे राउंड में 17वें मिनट में यूपी ग्रेस ने एक गोल दाग दिये, लेकिन तुरंत बाद 22वें और 27वें मिनट में दो गोल कर राजस्थान की टीम आगे निकल गयी।

सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

एजेंसी

मैड्रिड। एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं।

पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं। डी मार्कोस ने क्लब के 'लेज़ामा' प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी। उन्होंने कहा, यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में

मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा। हालांकि, इस बार मुझे पूरा यकीन था कि यही सही समय है।

शानदार करियर का समापन

इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है।

डी मार्कोस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं, और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया।

अलग-अलग भूमिकाओं में चमका करियर

ऑस्कर डी मार्कोस ने अपने करियर की शुरुआत एक फॉरवर्ड के रूप में की थी। अपने 16 साल के करियर में वह विंगर और अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में भी खेले, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राइट बैक की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 39 गोल भी किए।

दान कार्यों में भी रहे सक्रिय

डी मार्कोस न केवल अपने खेल के लिए बल्कि मानवीय कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में बच्चों से मुलाकात, और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में चैरिटी यात्राओं जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अब, जब वह अपने शानदार करियर को अलविदा कहने की तैयारी कर रहे हैं, तो फुटबॉल जगत में उनकी जगह हमेशा सम्मान के साथ याद की जाएगी।

रेफरी को अपशब्द कहने पर जूड बेलिंगहैम पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने रियल मैड्रिड के इंग्लिश मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह कार्रवाई उन्हें ओसासुना के खिलाफ पिछले खेले गए मैच में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद की गई है। मैच के पहले हाफ में रेफरी जोस लुइस मुनुएरा मोंटेरो ने बेलिंगहैम को अपशब्द कहने के आरोप में बाहर भेज दिया था। हालांकि, रियल मैड्रिड ने रेफरी की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि बेलिंगहैम ने एफ*** यू की जगह एफ*** ऑफ कहा था। आरएफईएफ ने बेलिंगहैम को रेफरी के प्रति अनादर का दोषी पाया है, जिसके चलते उन्हें दो मैचों के लिए निलंबित किया गया। यदि उन्हें रेफरी का अपमान करने का दोषी माना जाता, तो उनका प्रतिबंध 4 से 12 मैचों तक बढ़ सकता था। इस फैसले के बाद रेफरी मुनुएरा को सोशल मीडिया पर धमकियों और अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए सैकड़ों अपमानजनक संदेश भेजे गए, जिससे मजबूर होकर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद कर दी हैं। रियल मैड्रिड बेलिंगहैम के प्रतिबंध के खिलाफ अपील कर सकता है। अगर प्रतिबंध बरकरार रहता है, तो बेलिंगहैम शनिवार को गिरोना और अगले हफ्ते बेटिस के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुई न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड

मुम्बई।

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की गंभीर चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब है कि वह श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगी।

23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के दौरान बाएं घुटने में मेनिस्कस की चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उनकी रिकवरी में करीब 12 सप्ताह लगने की उम्मीद है। मुख्य कोच बेन सॉयर ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यह मौली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर रोज़ बाउल श्रृंखला में उनके प्रभावी प्रदर्शन के बाद। हालांकि, सकारात्मक बात यह है कि वह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तक फिट हो सकती हैं। पेनफोल्ड ने अब तक 14 वनडे में 9 और 10 टी20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए हैं।

पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेसिन रिज़र्व में उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट झटके थे, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ अपने स्टार खिलाड़ी सोफी डिवाइन के बिना भी उतरना होगा। डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले रखा है और उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्धता को लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। न्यूजीलैंड अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा, जिसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेगा। डब्ल्यूपीएल छोड़कर श्रीलंका लौटेंगी अथापथु, अमेलिया केर भारत में ही रहेंगी श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु अपनी राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को जल्द छोड़ देंगी। हालांकि, न्यूजीलैंड की स्टार ऑलराउंडर अमेलिया केर भारत में ही बनी रहेंगी।

कतर ओपन : कार्लोस अलकराज क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, जिरी लेहेका से होगी भिड़ंत

एजेंसी

दोहा। स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने इतालवी क्वालीफायर लुका नारदी को हराकर कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हालांकि, यह जीत उनके लिए आसान नहीं रही। पहला सेट जीतने और दूसरे सेट में 4-1 की बढ़त लेने के बावजूद, अलकराज को संघर्ष करना पड़ा जब नारदी ने लगातार पांच गेम जीतकर मैच को निर्णायक सेट तक खींच लिया।

तीसरे सेट में, अलकराज ने चौथे गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और 6-1, 4-6, 6-3 से मुकाबला अपने नाम कर लिया मैच के बाद अलकराज ने कहा, उन्होंने कुछ शानदार अंक खेले और ऐसा लगने लगा कि वह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी की तरह खेल रहे हैं। मैं बस खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने की कोशिश कर रहा था। तीसरे सेट में वापसी कर जीत हासिल करना मेरे लिए

संतोषजनक है। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अलकराज, जो दोहा में पहली बार खेल रहे हैं, गुरुवार को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका का सामना करेंगे। लेहेका ने अपने प्री-क्वार्टर मुकाबले में हंगरी के फैबियन मारोज़सन को महज एक घंटे में 6-4, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की दमदार शुरुआत, पाकिस्तान को 60 रन से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के उद्घाटन मुकाबले में न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 60 रन से पराजित कर विजयी आगाज किया। टॉम लैथम और विल यंग के बेहतरीन शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 320 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम 260 रन पर सिमट गई।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। शुरुआती झटकों के बाद विल यंग और टॉम लैथम ने पारी को संभाला। यंग ने 107 रनों की बेहतरीन पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक जड़ा। वहीं, लैथम ने 95 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया और 118 रन बनाकर नाबाद लौटे। ग्लेन

फिलिप्स ने भी 39 गेंदों में तेजतर्रार 61 रन बनाकर टीम को 320 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए नसीम शाह और हारिस रऊफ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अबरार अहमद को एक सफलता मिली। 321 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही। शुरुआती झटकों के बाद बाबर आजम (64) और खुशदिल शाह (69) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ा योगदान नहीं दे सके।

सलामी बल्लेबाज शाद शकील (6) और मोहम्मद रिजवान (3) जल्दी आउट हो गए, जबकि फखर जमान भी 24 रन बनाकर चलते बने। पाकिस्तान की टीम 16 गेंद पहले ही ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड की ओर से विल रूकी और मिचेल सेंटनर ने तीन-तीन विकेट चटकाए, जबकि मैट हेनरी ने दो विकेट लिए। माइकल ब्रेसवेल और नाथन स्मिथ ने भी एक-एक सफलता हासिल की।

चैंपियंस ट्रॉफी में आक्रामक रणनीति के साथ उतरेगी भारतीय टीम : कप्तान रोहित शर्मा

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने चैंपियंस ट्रॉफी अभियान की शुरुआत करेगी। मुकाबले से पहले टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा कि भारत टूर्नामेंट में उसी आक्रामक अंदाज में खेलेगा, जैसा वह पहले आईसीसी आयोजनों में करता आया है।

रोहित शर्मा ने कहा कि भारत हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई श्रृंखला की रणनीति को इस टूर्नामेंट में भी अपनाएगा। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से हराया था, और इसी खेल शैली के साथ वह चैंपियंस ट्रॉफी में उतरने के लिए तैयार है। टीम में स्पिनर्स की भूमिका पर रोहित ने स्पष्ट किया कि उनके पास सिर्फ स्पिन गेंदबाज ही नहीं, बल्कि तीन ऑलराउंडर- रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर हैं, जो गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर होने पर हम यह नहीं कहते कि टीम में 5-6 पेसर हैं, इसलिए हमें अपनी ताकत पर ध्यान देना चाहिए। कप्तान रोहित ने बताया कि टीम की बल्लेबाजी की रीढ़ शीर्ष चार खिलाड़ी हैं–विराट कोहली, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और वह खुद। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन बल्लेबाजों का बड़ी पारियां खेलना जरूरी होगा, ताकि टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया जा सके। रोहित ने शुभमन गिल को उपकप्तान बनाए जाने को लेकर कहा कि गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है और उनके बेहतरीन आंकड़ों को देखते हुए ही यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। अंत में रोहित शर्मा ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी टीम इंडिया के लिए बेहद अहम टूर्नामेंट है और बतौर कप्तान वह पूरी कोशिश करेंगे कि भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने नाम करे।

गिल और तीक्षणा एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर

एजेंसी

दुबई । भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 796 रेटिंग अंक के साथ पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़ कर दुनिया के नंबर वन एकदिवसीय बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं श्रीलंका के महीश तीक्षणा ने 11 अंकों की छलांग लगाकर गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये है।

आज यहां जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार एकदिवसीय में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में भारत के चार खिलाड़ी हैं। इसमें गिल के अलावा रोहित शर्मा 761 अंके के साथ तीसरे स्थान पर, विराट कोहली 727 अंक के साथ छठे स्थान पर और श्रेयस अय्यर 679 अंक के साथ नौवें स्थान पर मौजूद हैं। श्रेयस को भी एक स्थान का फायदा हुआ है। गिल के रेटिंग अंक 796 हैं, जबकि बाबर का रेटिंग अंक 773 हैं। रोहित के रेटिंग अंक 761 हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन 756 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 740 रेटिंग अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू

एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और भारत ने यह श्रृंखला 3-0 से जीती थी, जिसमें गिल ने 87, 60 और 112 रन बनाए। वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे उन्होंने 86.33 की औसत और 103.60 की स्ट्राइक रेट से 259 रन बनाए। अगले सर्वोच्च स्कोरर श्रेयस अय्यर 181 रन बनाकर गिल से 78 रन पीछे रहे। इंग्लैंड के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के बाद, श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलांका आठ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। आयरलैंड के हैरी टेक्टर 713 अंकों के साथ सातवें स्थान पर और वेस्टइंडीज के शाई होप 672 अंक के साथ दसवें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में श्रीलंका के महीश तीक्षणा 680 अंकों के साथ टॉप पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के राशिद खान को पीछे छोड़ दिया है। राशिद खान के रेटिंग अंक 679 है। गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप-10 में दो भारतीय कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज हैं। कुलदीप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह 652 अंके साथ चौथे स्थान पर तथा मोहम्मद सिराज 624 अंके साथ 10वें स्थान पर बने हुए है। नामीबिया के बर्नार्ड शोल्ज 662 अंके साथ तीसरे, पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी 646 अंके साथ पांचवें, दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज 642 अंके साथ छठे, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर 639 अंक के साथ सातवें,न्यूजीलैंड मैट हेनरी 632 अंके साथ आठवें और वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती 632 रेटिंग अंक के साथ नौवें स्थान पर मौजूद हैं।

महिला कबड्डी : लखनऊ मंडल ने सहारनपुर की टीम को दी मात

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय ओपेन आमंत्रण महिला कबड्डी प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। 21 फरवरी तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पहले दिन तीन मैच खेले गये। के. डी. सिंह बाबू स्टेडियम में चल रही इस प्रतियोगिता में 10 मंडलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहले दिन पहला मैच लखनऊ बनाम सहारनपुर के मध्य खेला गया। इसमें लखनऊ मंडल की टीम शुरू से ही हावी रही और 48-13 के अंतर से सहारनपुर मंडल को पराजित कर दिया। इसी तरह दूसरा मैच मेरठ मंडल बनाम वाराणसी मंडल के मध्य खेला गया। इसमें वाराणसी मंडल ने मेरठ मंडल को 36-13 के अंतर से पराजित कर दिया। तीसरे मैच में देवी पाटन मंडल ने सीतापुर मंडल को 27-24 के अंतर से पराजित किया।

पांचाल के नाबाद शतक से गुजरात की ठोस शुरुआत

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रियांक पांचाल (नाबाद 117)की शतकीय और आर्य देसाई (73) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से गुजरात ने रणजी ट्रॉफी के पहले समीफाइनल मुकाबले के तीसरे दिन केरल के खिलाफ ठोस शुरुआत की।

इससे पहले आज मोहम्मद अजहरुद्दीन (नाबाद 177) की शतकीय की बदौलत केरल ने 457 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात के लिए प्रियांक पांचाल और आर्य देसाई की सलीम जोड़ी ने टीम को शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 113 रन जोड़े। एनपी बासिल ने शतक की ओर बढ़ रहे आर्य देसाई को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। आर्य देसाई ने 118 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए (78) रन बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय गुजरात ने एक विकेट पर 222 रन बना

लिये थे। स्टंप के समय प्रियांक पांचाल (नाबाद 117) और मनन हिंगराजिया (नाबाद 30) क्रीज पर मौजूद थे।

केरल की ओर से एनपी बासिल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। केरल ने कल के सात विकेट पर 418 रन आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र की शुरुआत में चिंतन गजा ने आदित्य सरवटे (11) को बोल्ड कर केरल को आठवां झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष (पांच) रनआउट हुये। हालांकि इस दौरान मोहम्मद जहरुद्दीन एक छोर थामे खड़े रहे। चिंता गजा ने एनपी बासिल (एक) को आर्य देसाई के हाथों कैच आउट कराकर केरल की पहली पारी का अंत कर दिया। आज केरल ने 39 रन जोड़ कर अपने तीन विकेट गवां दिये। केरल ने अपनी पहली पारी में 187 ओवर में 457 रन बनाये।गुजरात की ओर से अरजान नागवासवाला ने तीन विकेट लिये। चिंतन गजा को दो विकेट मिले। प्रियजीत सिंह जाडेजा, विशाल जायसवाल और रवि बिश्नोई ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

डीएडी बैडमिंटन : पीसीडीए आर्मी लखनऊ की मधु ज्ञानचंदानी और पूनम यादव पहुंची क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। पीसीडीए -आर्मी - पुणे के विक्रम ए.राजापुरे और सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम पुणे के आनंद अग्रवाल ने 11वां अखिल भारतीय डीएडी बैडमिंटन टूर्नामेंट में कोर्ट पर शानदार खेल दिखाते हुए पुरुष एकल आईडीएएस के क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया। रक्षा लेखा खेल नियंत्रण बोर्ड (डीएएससीबी) के तत्वावधान में पीसीडीए (आर्मी) एवं आईएफए (सीसी) लखनऊ द्वारा सूर्या खेल परिसर, करियप्पा रोड, कैंट, लखनऊ में आयोजित टूर्नामेंट में दूसरे दिन कई रोमांचक मैचों में खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया। वहीं महिला युगल ओपन में पीसीडीए आर्मी लखनऊ की मधु ज्ञानचंदानी व पूनम यादव ने क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। पुरुष एकल आईडीएएस श्रेणी के प्री क्वार्टर फाइनल में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले जिसमें पीसीडीए -आर्मी -पुणे के विक्रम ए.राजापुरे ने दमदार खेल दिखाते हुए सीडीए सिकंदराबाद के डा.श्रीनिवास रेड्डी को रोमांचक मैच में 30-18 से शिकस्त दी। सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम पुणे के आनंद अग्रवाल ने पीसीडीए नेवी मुंबई के बी.बाला जवाहर को उम्दा कोर्ट कवरेज के सहारे 30-17 से हराया। सीडीएआरटीसी एनएडीएफएम पुणे के रोहन कदम ने पीसीडीए ङ्क आर्मी ङ्क लखनऊ के अभिषेक बीएन को 30-13 से और पीसीडीए नेवी मुंबई के बी.सेंथिल कुमार ने सीडीए जबलपुर के प्रेमसागर मीना को 30-20 से पराजित किया। सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम पुणे के दक्ष जैन ने सीएसडी मुंबई के एस.महापात्रा को 30-19 से और सीडीए सिकंदराबाद के टी.रामा मूर्ति ने पीसीडीए नेवी मुंबई के डीसी राजनाथ कुमार को 30-23 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।पुरुष युगल में खेले गए प्री क्वार्टर फाइनल पुरुष युगल आईडीएएस श्रेणी में कई जोड़ीदारों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीसीडीए आर्मी पुणे के मोहम्मद शौकत अजीम और तुषार मेहरा, पीसीडीए नेवी मुंबई के एस. वेणुगोपाल और टी. कबीलन, सीडीए जबलपुर के प्रेमसागर मीना और आर. एस. गुसाई, सीडीए चेन्नई के डॉ. धनशेखर रथिनाम और सुनील कुमार तथा सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम पुणे के दक्ष जैन और रोहन कदम की जोड़ी ने जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिला ओपन एकल में प्री-क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय सीडीए जबलपुर की दीक्षा मीना ने सीजीडीए हेडक्वार्टर की ममता को 30-9 से पराजित किया। पीसीडीए पेंशन प्रयागराज की प्रिया देवी ने भी दमदार खेल दिखाते हुए पीसीडीए आर्मी लखनऊ की पूनम यादव को 30-12 से मात दी। पीसीडीए आर्मी पुणे की स्वाति ने पीसीडीए चंडीगढ़ की मेघा असवाल के खिलाफ 30-21 से जीत हासिल की। पीसीडीए -ओ- पुणे की पूनम एस. मुले ने पीसीडीए एएफ देहरादून की चित्रा को 30-18 से हराया। दूसरी ओर महिला युगल ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पीसीडीए आर्मी लखनऊ की मधु ज्ञानचंदानी व पूनम यादव ने चंडीगढ़ की मेघा असवाल व मोनिका बंसल को 30-14 से हराया।

हेल्थफैब ने जुटाए 10 लाख डॉलर

नई दिल्ली। स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनी हेल्थफैब ने कहा कि उसने अपने प्री-सीरीज ए फंडिंग राउंड में सफलतापूर्वक 10 लाख डॉलर जुटाए हैं। इस राउंड का नेतृत्व मिस्त्री वेंचर्स ने किया, जिसमें बियॉन्डसीड, थ्राइव वेंचर्स और प्रतिष्ठित निवेशकों अनुपम मित्तल, अमन गुप्ता, विनीता सिंह और पीयूष बंसल ने भाग लिया, जिन्हें शार्क के नाम से भी जाना जाता है। हेल्थफैब ने जारी एक बयान में कहा कि ताजा फंडिंग के बाद 2022 में बियॉन्डसीड के नेतृत्व में इसका सीड राउंड होगा। किरीटी आचार्जी, सौरव चक्रवर्ती और सत्यजीत चक्रवर्ती द्वारा स्थापित, हेल्थफैब स्थायी मासिक धर्म देखभाल में सबसे आगे है, जो भारत में अपनी अभिनव तकनीक के लिए बीआईएस प्रमाणन और पेटेंट संरक्षण प्राप्त करने वाला पहला पुन÷ प्रयोज्य पीरियड पैंटी ब्रांड बन गया है। तीन लाख से ज़्यादा ग्राहक हासिल करने और सालाना 2.5-3 गुना राजस्व की वृद्धि दर के साथ हेल्थफैब ने इस फंड का इस्तेमाल मेट्रो और टियर 2 शहरों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के साथ-साथ आगे के शोध एवं विकास में निवेश करने की योजना बनाई है। भारत के स्त्री स्वच्छता उद्योग के 2030 तक 14.8 प्रतिशत (2025-2030) की वृद्धि दर के साथ दो अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ती जागरूकता और पर्यावरण के अनुकूल मासिक धर्म समाधानों की ओर बदलाव की ओर इशारा करता है।

भेल ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड से सम्मानित

नयी दिल्ली। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को पीएसयू श्रेणी में व्यावसायिक उत्कृष्टता और उच्च गुणवत्ता मानकों के प्रति समर्पण के लिए 'ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड्स 2024' में गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि भेल की इस उपलब्धि को कंपनी की गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण माना जा रहा है। यह सम्मान भेल द्वारा अपनाई गई व्यावसायिक उत्कृष्टता, 5एस, क्वालिटी सर्कल, डिजिटलीकरण जैसी कंपनी-व्यापी पहलों का परिणाम है, जो ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भेल की निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) और निदेशक (ई, आर एंड डी) - अतिरिक्त प्रभार बानी वर्मा ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद से प्राप्त किया। इस सम्मान के साथ भेल ने एक बार फिर अपने क्षेत्र में गुणवत्ता और व्यावसायिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है।

ट्रंप ने व्यापारिक साझेदारों के लिए समान टैरिफ नीति अपनाने का लिया संकल्प

नयी दिल्ली । अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी व्यापारिक नीति को स्पष्ट करते हुए कहा है कि अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों पर उन्हीं के लगाए गए टैरिफ के समान शुल्क लगाएगा 'न अधिक, न कम।' श्री ट्रंप ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, व्यापार में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए हम पारस्परिक टैरिफ नीति अपनाएंगे। यदि कोई देश अमेरिका पर टैरिफ लगाता है तो हम भी उस पर समान टैरिफ लगाएंगे- न ज्यादा, न कम। उन्होंने यह भी कहा कि वैट प्रणाली (मूल्य संवर्धित कर) का उपयोग करने वाले देशों को भी टैरिफ के दायरे में रखा जाएगा क्योंकि यह प्रणाली कई मामलों में टैरिफ से भी अधिक कठोर होती है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि अमेरिका को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए अन्य देशों को अपने माल को किसी तीसरे देश के माध्यम से भेजने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने व्यापारिक सब्सिडी और गैर-प्रत्यक्ष टैरिफ के प्रभाव को भी संतुलित करने की बात कही।श्री ट्रंप ने कहा, हम उन देशों द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का भी मूल्यांकन करेंगे, जो अमेरिकी उत्पादों के लिए बाधाएं खड़ी करते हैं या अमेरिकी कंपनियों को अपने बाजार में प्रवेश से रोकते हैं। इन गैर-प्रत्यक्ष व्यापार बाधाओं की सटीक लागत निर्धारित करने की हमारी क्षमता है।÷ उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी देश को अमेरिकी टैरिफ अधिक लगते हैं, तो उसे अपनी ओर से लगाए गए शुल्क को कम करना होगा। उन्होंने दोहराया कि यदि कोई कंपनी अमेरिका में उत्पादन करती है तो उस पर कोई टैरिफ लागू नहीं होगा।

फेडएक्स ने भारत में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू किया

मुंबई। भारत में बढ़ते साइबर धोखाधड़ी मामलों के मद्देनजर वैश्विक एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने एक राष्ट्रीय स्तर की साइबर सुरक्षा जागरूकता और प्रशिक्षण पहल शुरू की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह पहल स्थानीय पुलिस, साइबर सुरक्षा प्रकोष्ठ और गैर-लाभकारी संगठन यूनाइटेड वे मुंबई के सहयोग से संचालित की जा रही है। फेडएक्स के मध्य पूर्व, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका क्षेत्र के उपाध्यक्ष नितिन नवनीत टाटीवाला ने कहा, वर्ष 2024 में भारत में साइबर धोखाधड़ी से 1.7 अरब रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। बढ़ते साइबर अपराधों के खिलाफ सबसे बड़ा बचाव जागरूकता है। इस पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य नागरिकों को साइबर खतरों से सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधन प्रदान करना है, जिससे देश में एक अधिक सुरक्षित डिजिटल वातावरण विकसित हो सके। इस पहल के तहत वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और किशोरों सहित 10 हजार से अधिक लोगों को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारत और अर्जेंटीना ने लिथियम खोज और खनन में एमओयू के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने खान मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आज यहां अर्जेंटीना के कैटामार्का के गवर्नर राउल एलेजांद्रो जलील के साथ बैठक की। इसमें विशेष रूप से लिथियम अन्वेषण और निवेश के अवसरों में खनन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक का एक प्रमुख एजेंडा खान मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक उपक्रम मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) और अर्जेंटीना के कैटामार्का की प्रांतीय सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना था, जो महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण और संसाधन विकास में गहन सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।

'लिथियम त्रिभुज' के हिस्से के रूप में अपने विशाल लिथियम भंडार के लिए जाना जाने वाला अर्जेंटीना इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण के लिए आवश्यक खनिजों को सुरक्षित करने में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। इसमें खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (केबीआईएल) और ग्रीनको द्वारा कैटामार्का में चल रहे लिथियम अन्वेषण प्रयासों और अर्जेंटीना की खनन परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने निवेश, दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों और संयुक्त उद्यमों के लिए रास्ते तलाशे, जो इस महत्वपूर्ण खनिज तक भारत की पहुंच को मजबूत करने में मदद करेंगे।

दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत ढांचों, नियामक पहलुओं और टिकाऊ खनन प्रथाओं पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त अर्जेंटीना के खनन क्षेत्र में भारत की भागीदारी को बढ़ाने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान और बुनियादी ढांचे के समर्थन पर ज़ोर दिया गया।

यूएई में ऑनलाइन बिकेगा कैम्पा, 'नून मिनट्स' 15 मिनट में करेगा डिलीवरी

एजेंसी

दुबई, यूएई/बेंगलुरू। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का ब्रांड कैम्पा अब यूएई के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'नून मिनट्स' पर भी उपलब्ध होगा। यूएई के ग्राहकों को कैम्पा की डिलीवरी 15 मिनट से भी कम समय में मिलेगी। कंपनी का दावा है कि यह रणनीतिक सहयोग 'नून मिनट्स' के पेय पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा। एक दिन पहले ही यानी कंपनी ने कैम्पा को यूएई के बाजारों में उतारने की घोषणा की थी। अली काफिल-हुसैन, चीफ ऑफ स्टाफ, नून ने कहा कि, ÷नून मिनट्स ग्राहकों को उनके पसंदीदा उत्पाद तुरंत पहुँचता है। कैम्पा हमारे पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा। हम इस पेय को यूएई में लाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह साझेदारी एक मील का पत्थर साबित होगी क्योंकि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिक से अधिक लोग तेज़ी से कैम्पा का आनंद उठा सकें। हमारा मिशन है - ग्राहकों तक कहीं अधिक तेज़ी से बेहतरीन उत्पाद पहुँचाना। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के सीओओ केतन मोदी ने कहा कि, हम नून मिनट्स के साथ कैम्पा की विशेष साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। हम यूएई में अपनी उपस्थिति बढ़ाते जा रहे हैं और ई-कॉमर्स अधिक उपभोक्ताओं तक पहुँचने की हमारी रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इनोवेशन और मजबूत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मशहूर नून, यूएई में उपभोक्ताओं तक कैम्पा की रेंज को आसानी से पहुंचाने के लिए एक आदर्श भागीदार है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैम्पा कोला, कैम्पा लेमन और कैम्पा ऑरेंज उपलब्ध होंगे।

लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार ने निचले स्तर से रिकवरी करके मजबूत स्थिति बना ली, लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। स्टॉक मार्केट में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण निवेशकों ने आज 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा कमा लिया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, एनर्जी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, फार्मास्यूटिकल, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के

शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारों का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.41 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद छोटे और मंझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 401.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 398.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.35 करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मध्य प्रदेश सरकार की दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आगामी 25 फरवरी को एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य सहकार्यता अनुबंध (कोलैबोरेशन एग्रीमेंट) का निष्पादन किया जाएगा। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश सरकार की यह बड़ी उपलब्धि होगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंत्रि-परिषद द्वारा एम.पी. स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य होने वाले सहकारिता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) पर सहमति दे दी गयी है। अब यह अनुबंध निस्पादत किया जा रहा है। इस अनुबंध की अवधि पांच वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा। इसके तहत मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी और दुग्ध समितियों की संख्या ब?ाई जायेगी। इन सबके परिणाम स्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में अप्रत्याशित वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र-2023 में प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं डेयरी किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मदद करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर खोले जाने और श्वेत क्रांति मिशन के अंतर्गत ढाई हजार करोड़ के निवेश से प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट एवं चिलिंग सेंटर की संख्या में वृद्धि करने का उल्लेख है। इन संकल्पों को पूरा करने में यह अनुबंध महत्वपूर्ण साबित होगा। यह राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या छह हजार है, जिसे ब?ाकर नौ हजार किया जाएगा। एक दुग्ध समिति लगभग एक से तीन गांव में दुग्ध संकलन करती है, नौ हजार दुग्ध समितियां के माध्यम से लगभग 18 हजार ग्रामों को कवर किया जा सकेगा। दुग्ध संकलन भी 10.50 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से ब?कर 20 लाख किलोग्राम प्रतिदिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त एनडीडीबी द्वारा दुग्ध उत्पादक संस्थाओं (एमपीओ) के माध्यम से कवर किए गए गांवों को 1390 से बढ़ाकर 2590 किया जाएगा तथा दूध की खरीद को 1.3 लाख किलोग्राम से बढ़कर 3.7 लाख किलोग्राम प्रतिदिन किया जाएगा।

भारत और नेपाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए समझौते कर साझेदारी सुदृढ़ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोग के तहत, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नेपाल विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा प्रतिष्ठान (एनएएसटी) ने मंगलवार को यहां सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

सीएसआईआर की महानिदेशक और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) की सचिव डॉ. एन. कलैसेलवी और एनएएसटी के कुलपति प्रो. डॉ. दिलीप सुब्बा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए और दस्तावेज आदान-प्रदान किए। इस समझौते से द्विपक्षीय वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने का व्यापक तंत्र स्थापित हुआ है।सीएसआईआर और एनएएसटी के बीच लंबे समय से सहयोग है। यह 1994 में आरंभ हुआ था, जब सीएसआईआर और तत्कालीन रोनास्ट अब एनएएसटी के बीच परस्पर हित के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के क्रियान्वयन के लिए 1997 और 2002 में दो कार्यकारी योजनाओं पर हस्ताक्षर हुए। इसके अंतर्गत कई संयुक्त कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जो समझौते की निर्धारित अवधि से आगे भी जारी रहे। दोनों देशों के बीच नये समझौते का उद्देश्य सहयोग को फिर से सक्रिय और विस्तारित करना तथा दोनों देशों के संस्थानों के बीच वैज्ञानिक सहभागिता बढ़ाना है। वर्ष 2025 के समझौता ज्ञापन के तहत साझेदारी को विभिन्न सहयोगी गतिविधियों द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। इनमें वैज्ञानिक जानकारी, अनुसंधान सामग्री, वैज्ञानिकों के एक-दूसरे के यहां जाने, संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगोष्ठी, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का निष्पादन, एक-दूसरे की प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षमता संवर्धन के लिए संस्थानों का समेकन शामिल है। दोनों देशों के बीच सहयोग जैविक विज्ञान, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जल और पर्यावरण प्रौद्योगिकी, ईंधन और खनन विज्ञान, धातु विज्ञान, कांच, सिरेमिक वस्तुएं, जैविक पदार्थ और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे भौतिक विज्ञान, वैकल्पिक ऊर्जा, चमड़े और फुटवियर तकनीक, मेट्रोलॉजी (माप पद्धति), कार्बनिक यौगिक संबंधी पॉलिमर विज्ञान और औषधि के क्षेत्र में अनुसंधान सहित परस्पर सहमत क्षेत्रों में केंद्रित होगा।

हस्ताक्षर के लिए आयोजित शीर्ष स्तरीय कार्यक्रम में सीएसआईआर, विदेश मंत्रालय, केंद्र सरकार और एनएएसटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सहयोग के प्रभावी तरीकों, संयुक्त अनुसंधान और विकास प्रयासों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

अमेरिकी एसईसी ने अडानी रिश्वत मामले में भारतीय अधिकारियों से मांगा सहयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में अडानी समूह के संस्थापक गौतम अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ भारतीय अधिकारियों से सहयोग की मांग की है। अमेरिकी एसईसी ने न्यूयॉर्क जिला अदालत को बताया कि प्रतिवादी भारत में हैं और उन तक कानूनी नोटिस पहुंचाने के लिए प्रयास जारी हैं। इस प्रक्रिया में हेग सेवा सम्मेलन के तहत भारतीय अधिकारियों से सहायता लेने की योजना भी शामिल है, जिससे सिविल और वाणिज्यिक मामलों से जुड़े दस्तावेजों की कानूनी सेवा संभव हो सके एसईसी ने नवंबर 2024 में अपनी शिकायत दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड से जुड़े एक वित्तीय लेन-देन के दौरान सितंबर 2021 की ऋण पेशकश के संदर्भ में प्रतिवादियों ने जानबूझकर या लापरवाही से भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की। यह संघीय प्रतिभूति कानूनों के धोखाधड़ी विरोधी प्रावधानों का उल्लंघन है। इसी मामले से जुड़े एक अन्य आपराधिक मुकदमे में न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए यूएस अटॉर्नी ऑफिस ने आरोप लगाया कि प्रतिवादियों ने साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी में संलिप्तता दिखाई है। पिछले सप्ताह अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अडानी मामले पर कोई चर्चा नहीं की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में इसे एक ÷निजी मामला÷ करार देते हुए कहा कि इस तरह के मुद्दों पर शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत नहीं होती।

कैट को महाकुंभ 2025 में तीन लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने महाकुंभ 2025 में 3 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान जताया है। तीर्थ नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित महाकुंभ के दौरान 45 दिनों में लगभग 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद है, जिससे अनुमानित रूप से 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के माल तथा सेवाओं के ज़रिए बड़े व्यापार के होने का अनुमान है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं दिल्ली के चांदनी चौक सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि विश्व के इस सबसे बड़े मानव समागम ने यह स्थापित कर दिया है कि आस्था में अर्थव्यवस्था का भी समावेश होता है और भारत में सनातन अर्थव्यवस्था

की जड़ें काफ़ी मजबूत हैं, जो देश की मुख्य अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा भी है। खंडेलवाल ने कहा कि महाकुंभ प्रारम्भ होने से पूर्व एक अनुमान के अनुसार महाकुंभ में 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना के साथ लगभग 2 लाख करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान था। लेकिन पूरे देश में महाकुंभ को लेकर लोगों के अभूतपूर्व उत्साह के कारण उम्मीद की जा रही है कि 26 फरवरी तक लगभग 60 करोड़ लोग महाकुंभ में आयेंगे, जिससे लगभग तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के बड़े व्यापार होने की संभावना है। इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बड़ी मजबूती मिली है तथा व्यापार के नए अवसरों का सृजन भी हुआ है। खंडेलवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार अब तक 53 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं और लगातार बड़ी संख्या में प्रतिदिन लोगों का महाकुंभ में पहुंचना जारी है। खंडेलवाल ने महाकुंभ के आर्थिक प्रभाव को रेखांकित करते हुए बताया कि अनुमान के अनुसार व्यापार के अनेक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आर्थिक गतिविधियों को बल मिला है जिसमें प्रमुख रूप से अतिथि सत्कार एवं आवास, खाद्य एवं पेय पदार्थ, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स, धार्मिक वस्त्र, पूजा सामग्री एवं हस्तशिल्प सहित अन्य अनेक वस्तुएं, कपड़ा, परिधान एवं अन्य उपभोक्ता वस्तुएं, स्वास्थ्य सेवाएं एवं वेलनेस सेक्टर, धार्मिक दान एवं अन्य धार्मिक आयोजन , मीडिया, विज्ञापन एवं मनोरंजन, बुनियादी ढांचा विकास एवं नागरिक सेवाएं, टेलीकॉम, मोबाइल, एआई तकनीक, सीसीटीवी कैमरा और अन्य तकनीकी उपकरणों के उपयोग आदि में बड़ा व्यापार हो रहा है।

गुरमीत सिंह, डिविटास कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, बैंकिंग क्षेत्र : स्मार्ट निवेशकों के लिए स्थिरता का एक स्तंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग क्षेत्र अर्थव्यवस्था का आधारभूत स्तंभ बन गया है। बैंकिंग क्षेत्र वित्तीय लेनदेन में एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका निभाता है। आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने के अलावा, यह क्षेत्र विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की गहन पहुंच और वित्तीय सेवाओं की विविधता के माध्यम से ऋण वृद्धि को भी काफी सुविधाजनक बनाता है। बैंकिंग उद्योग तरलता बनाए रखने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैश्विक और घरेलू स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बैंकिंग क्षेत्र ने प्रभावशाली वृद्धि दर्शाई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण हुई है। पिछले दशक में बैंकों की वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, और वे अर्थव्यवस्था में स्थिरता का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गए हैं। ऋण आपूर्ति में वृद्धि बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन में एक प्रमुख कारक रही है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, गैर-खाद्य ऋणों की वृद्धि स्थिर बनी हुई है। इससे पता चलता है कि उद्योग, व्यापार और खुदरा (रिटेल) ग्राहकों की ओर से भारी मांग है। गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण और एमएसएमई ऋण में वृद्धि यह दर्शाती है कि, उपभोक्ता विश्वास और वित्तीय लेनदेन की गति कायम है। बैंकिंग क्षेत्र में परिसंपत्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गया है। बेहतर ऋण देने की प्रथाएं, बेहतर जोखिम प्रबंधन, तथा वित्तीय संस्थाओं की मजबूत बैलेंस शीट इस प्रदर्शन में परिलक्षित प्रमुख विशेषताएं हैं। बैंकों की तणावग्रस्त परिसंपत्तियों के अनुपात में कमी आने से उन्हें अधिकाधिक लाभ अर्जित करने में मदद मिली है। इससे बैंकिंग क्षेत्र का लचीलापन और बढ़ गया है। व्यक्तिगत शेअरों के जोखिमों को कम करते हुए इस क्षेत्र के विकास में भाग लेने के अवसर तलाश रहे निवशकों के लिए बैंकिंग सेक्टर म्यूचुअल फंड विस्तृत निवेश मार्ग प्रदान करते हैं। ये फंड विभिन्न वित्तीय संस्थानों में परिसंपत्तियों का आवंटन करते हैं। इससे जोखिम फैलता है और निवेशक को क्षेत्र के समग्र प्रदर्शन से लाभ मिलता है। चूंकि निवेश कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों में फैला हुआ है, इसलिए केवल एक स्टॉक में निवेश केंद्रित करने का जोखिम कम हो जाता है। फंड मैनेजर सेक्टर में उतार-चढ़ाव पर नज़र रखते हैं और उसके अनुसार निवेश समायोजित करते हैं। इसलिए, निवेशक बैंकिंग क्षेत्र के समग्र विस्तार से लाभ उठा सकते हैं। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, जिसे उपभोक्ता वस्तुओं की मजबूत घरेलू मांग, बुनियादी ढांचे के विकास और नीति सुधारों से समर्थन मिलेगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा

डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.40 प्रतिशत उबलकर 71.73 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 75.67 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

जी20 ईडब्ल्यूजी बैठक में समावेशी श्रम बाजार, युवाओं और महिलाओं के लिए बेहतर रोजगार पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पहली जी20 रोजगार कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) बैठक में समावेशी विकास और युवा रोजगार तथा समावेशी भविष्य के लिए सामाजिक सुरक्षा और डिजिटलीकरण की प्राथमिकता वाले मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में 18-21 फरवरी 2025 को पोर्ट एलिजाबेथ, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित इस पहली जी20 रोजगार कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में भारत के महावाणिज्यदूत डॉ. थेल्मा जॉन डेविड और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के उप निदेशक पीयूष कुमार पाठक शामिल थे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार पहली जी20 रोजगार कार्य समूह बैठक में जी20 सदस्य देशों ने रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और कौशल विकास के लिए अपने-अपने नीतिगत दृष्टिकोण पर जोर देते हुए हस्तक्षेप किया। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड और नॉर्वे सहित आमंत्रित सदस्य देशों ने भी प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर हस्तक्षेप किया। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने भी वैश्विक रोजगार रुझानों और श्रम बाजार सुधारों में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक प्रस्तुति दी।हस्तक्षेप के दौरान सचिव ने रोजगार सृजन, श्रम बाजार लचीलापन और व्यापक सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य से भारत के प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत कृषि, एमएसएमई, विनिर्माण, चिकित्सा शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास सहित रणनीतिक क्षेत्रीय निवेशों के माध्यम से अपने आर्थिक परिदृश्य को मजबूत करना जारी रखता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और निर्यात-संचालित रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया गया, साथ ही वेयरहाउसिंग और एयर कार्गो सुविधाओं को बढ़ाने की पहल की गई। इस हस्तक्षेप ने भारत के सकारात्मक रोजगार रुझानों पर भी जोर दिया, जिसमें 2017-18 में 6 फीसद से 2023-24 में 3.2 फीसद तक बेरोजगारी दर में गिरावट देखी गई। साथ ही श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। चार श्रम संहिताओं और अन्य सुधारों का उद्देश्य श्रम कल्याण में सुधार करना, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना (जिसमें गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक शामिल हैं), रोजगार को औपचारिक बनाना और महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ाना है। आईएलओ की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 के अनुसार सामाजिक सुरक्षा विस्तार में भारत के प्रयासों को मान्यता दी गई, जिसमें कवरेज 2021 में 24.4 फीसद से दोगुना होकर 2024 में 48.8 फीसद हो गया। आईएलओ के साथ 'इन-काइंड' लाभों और राज्यों के लाभों को शामिल करने के लिए चल रहे काम के साथ देश का संभावित कवरेज और भी बढ़ जाएगा। सचिव ने ई-श्रम पोर्टल की सफलता पर जोर दिया, जिसने 300 मिलियन से अधिक असंगठित श्रमिकों को पंजीकृत किया है, और ईएसआईसी और ईपीएफओ योजनाओं के आधुनिकीकरण पर जोर दिया। रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना को औपचारिक क्षेत्र के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में भी उजागर किया गया।

अमेरिकाः एरिजोना में दो छोटे विमानों की हवा में टक्कर, दो लोगों की मौत

लॉस एंजिल्स । अमेरिका में विमान हादसा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी एरिजोना में दो छोटे विमानों के बीच हवा में टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हुई है।अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की शुरुआती जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह रनवे 12 पर हवा के विपरीत दिशा में सेसना 172एस और लैंकेयर 360 एमके2 के बीच टक्कर हो गई। दोनों ही फिक्स्ड-विंग, सिंगल-इंजन विमान हैं। समाचार एजेंसीके अनुसार, हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे एनटीएसबी ने कहा कि शुरुआती जानकारी के आधार पर विमान रनवे 12 पर हवा के विपरीत दिशा में टकराया, जो हवाई अड्डे के दो रनवे में से एक है। मराना पुलिस विभाग के अनुसार, दोनों विमान छोटे, फिक्स्ड-विंग, एकल-इंजन वाले विमान थे। विमान हादसे की जांच की जा रही है। एनटीएसबी ने कहा कि सेसना विमान बिना किसी घटना के उतर गया जबकि लैंकेयर विमानरनवे 3 के पास भूभाग से टकराया और टक्कर के बाद उसमें आग लग गई। पीड़ितों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

फिलीपींस-चीन तनाव : पीएलए नौसेना के हेलीकॉप्टर की खतरनाक उड़ान पर भड़का अमेरिका, बीजिंग पर साधा निशाना

मनीला । संयुक्त राज्य अमेरिका ने फिलीपींस के विमान के नजदीक से चीनी हेलीकॉप्टर के खतरनाक तरीक से गुजरने की आलोचना की। चीनी हेलीकॉप्टर ने दक्षिण चीन सागर में एक विवादित तट पर गश्त कर रहे फिलीपींस के सरकारी विमान के करीब से उड़ान भरी थी। फिलीपींस में अमेरिकी राजदूत मैरीके कार्लसन ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷हम पीएलए नौसेना के हेलीकॉप्टर की खतरनाक उड़ान की निंदा करते हैं, जिसने फिलीपींस के हवाई मिशन पर गए पायलटों और यात्रियों को खतरे में डाल दिया।फिलीपींस तटरक्षक ने कहा, इस लापरवाह कार्रवाई ने पायलटों और यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा किया।फिलीपीन तटरक्षक ने कहा कि सरकारी मत्स्य पालन विमान 'स्कारबोरो शोल' के ऊपर एक 'समुद्री डोमेन जागरूकता' उड़ान भर रहा था। यह इलाका फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र के अंदर स्थित एक चट्टानी एटोल और मछली पकड़ने का प्रमुख क्षेत्र है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी का हेलीकॉप्टर विमान के तीन मीटर के करीब से गुजरा। फिलीपीन तट रक्षक ने दावा किया कि यह विमानन नियमों का 'स्पष्ट उल्लंघन और घोर उपेक्षा' है।चीनी सेना के दक्षिणी थिएटर कमांड ने कहा कि फिलीपीन विमान ने चीन के हवाई क्षेत्र में 'अवैध रूप से घुसपैठ' की। इसने फिलीपींस पर 'झूठी बातें फैलाने' का आरोप लगाया।

कोलम्बिया के बोगोटा शहर में विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत

बोगोटा ।कोलंबिया की राजधानी बोगोटा शहर में रात हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर कार्लोस फर्नांडो गैलन ने इसकी पुष्टि की। श्री गैलन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हम सैन बर्नार्डो पड़ोस में मंगलवार लगभग 10 बजे विस्फोटक उपकरण को सक्रिय करने के लिए जिम्मेदार लोगों को खोजने के लिए पुलिस बोगोटा का समर्थन कर रहे हैं। आठ लोग घायल हो गए और उन्हें सांता क्लारा अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया जहां दुर्भाग्य से एक व्यक्ति की मौत हो गई।' बोगोटा के मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमांडर विलियम लारा ने घटनास्थल से कहा कि जांचकर्ता घटना की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा 'हमारी न्यायिक पुलिस और विस्फोटक निरोधक तकनीशियन इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि यह किसी तात्कालिक उपकरण से संबंधित है या औद्योगिक विस्फोटक उपकरण से' उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने क्षेत्र में सुरक्षा कैमरों की समीक्षा शुरू कर दी है। पुलिस प्रमुख ने कहा कि विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों की शीघ्र पहचान करने के लिए पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी एकत्र कर रही है।

साओ पाउलो ने डेंगू के प्रकोप के कारण स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया

साओ पाउलो। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य ने डेंगू के मामलों में वृद्धि के कारण स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया।साओ पाउलो के स्वास्थ्य मंत्री एल्यूसस पाइवा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एडीज एजिप्टी मच्छर द्वारा प्रसारित डेंगू अप्रैल में चरम पर पहुंचने की आशंका है जिससे तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा 'चुनौती बहुत बड़ी है... डेंगू के संक्रमण को कम करने का एकमात्र तरीका मच्छरों के प्रजनन के मैदानों को खत्म करना है। यह एक युद्ध की तरह है - हमें रणनीति की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि आपातकाल की घोषणा से संक्रमित लोगों के लिए चिकित्सा आपूर्ति और उपचार की खरीद में तेजी आएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ब्राजील का सबसे अधिक आबादी वाला और औद्योगिक राज्य साओ पाउलो चार करोड़ 60 लाख लोगों का घर है और देश के डेंगू के 58 प्रतिशत मामले यहीं से आते हैं। राज्य में 124,038 मामले और 113 मौतों की पुष्टि हुई है जबकि 82,908 मामले और 233 मौतों की जांच चल रही है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यों को डेंगू के टीके लगाने के लिए अधिकृत किया।

पाकिस्तान में 14 आतंकवादियों के सिर पर भारी भरकम इनाम

एजेंसी

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने प्रांत के सबसे अशांत कुर्रम जिले में खूनखराबा कर रहे 14 आतंकवादियों को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर इनाम घोषित किया है। सरकारी अधिसूचना में इनाम की अनुमानित राशि लगभग 130 मिलियन रुपये बताई गई है।

यूज चैनल की खबर के अनुसार, सबसे ज्यादा इनाम 30 मिलियन रुपये खूंखार आतंकवादी काजिम के लिए घोषित किया गया है। बाकी 13 आतंकियों पर 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम है। अधिसूचना में कहा गया है कि सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे। यह निर्णय क्षेत्र आतंकवाद से लड़ने के सरकार के मजबूत प्रयासों के हिस्से के रूप में

आया है। कुर्रम में आतंकवादियों के सिर पर इनाम का उद्देश्य जनता को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है।

हाल ही में कुर्रम के विभिन्न इलाकों से 10 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। यह आतंकवादी 17 फरवरी को एक काफिले पर हुए हमले में शामिल थे। प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि विदेशी तत्व आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करा रहे हैं। बाहरी ताकतें पूरे पाकिस्तान को आग में झोंकना चाहती हैं। हम पीछे नहीं हटे। कोई भी आतंकवादी जीवित नहीं बचेगा। उल्लेखनीय है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने सुरक्षा बलों और सहायता काफिलों पर लगातार हो रहे हमलों के मद्देनजर कुर्रम जिले को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है। कुर्रम जिले के चार गांवों ओचट, दाद कमर, मंदुरी और बागान के निवासियों को घरों को खाली करने को कहा गया है।

बोत्सवाना में भारी बारिश के कारण स्कूल बंद

एजेंसी

गेबोरोन। बोत्सवाना में भारी बारिश के चलते छात्रों के परिवहन में व्यवधान के कारण स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। बाल कल्याण और बुनियादी शिक्षा मंत्री नोनो कगाफेला मोकोका ने कहा कि भारी बारिश के कारण अधिकांश सड़कें जलमग्न हो गई हैं और उनमें से कुछ सड़कें कट गई हैं जिससे छात्र स्कूल आने-जाने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि अस्थायी बंद का यह आदेश 20 फरवरी से 24 फरवरी तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने कहा कि स्थिति की निगरानी की जाएगी और अगले सप्ताह और जानकारी दी जाएगी। बोत्सवाना में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है जिससे देश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बाढ़ आ गई है। मौजूदा बारिश इस पूरे सप्ताह और संभवतः फरवरी के अंत तक जारी रहने की उम्मीद है। देश के कई हिस्सों में अगले 24 घंटों में 50 मिमी या उससे अधिक बारिश होने की संभावना है।

महाभियोगाधीन राष्ट्रपति येओल आपराधिक मुकदमे की प्राथमिक सुनवाई में हुए शामिल

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के महाभियोगाधीन राष्टपति यून सुक येओल के खिलाफ आज आपराधिक मुकदमे की पहली प्रारंभिक सुनवाई सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सुबह 10 बजे शुरू हुई। यह 13 मिनट चली। अदालत ने अगली सुनवाई 24 मार्च की तारीख मुकर्रर की। इस दौरान येओल कोर्ट में मौजूद रहे। इसी के साथ येओल आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले देश के पहले मौजूदा राष्टपति बन गए।

द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, येओल के खिलाफ महाभियोग का मुकदमा भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्हें पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के दौरान विद्रोह के आरोप में दोषी ठहराया जा चुका है। यह आरोप अभियोजन से उनके राष्टपति के रूप में मिले अधिकारों की छूट को खत्म कर देता है। प्रारंभिक सुनवाई का उद्देश्य मामले के मुख्य विवादों को स्पष्ट करना और भविष्य की कार्यवाही की योजना बनाना है।

येओल ने आज गहरे नीले रंग का सूट और लाल टाई पहनकर अदालत में प्रवेश किया। येओल के कानूनी प्रतिनिधियों ने कहा कि वे आगामी तारीख में आरोपों पर अपना रुख साफ करेंगे। उन्होंने इस पर भी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया कि क्या इस मामले को पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून सहित येओल के मार्शल लॉ लगाने में उनकी कथित भूमिका के लिए दोषी ठहराए गए अन्य लोगों के साथ विलय किया जाए या नहीं। अभियोजन पक्ष ने मामलों को विलय करने के खिलाफ तर्क दिया और कहा कि मुकदमों को अलग-अलग संचालित करना अधिक अच्छा होगा। राष्टपति येओल को जनवरी के मध्य से एक हिरासत केंद्र में रखा गया है।

ट्रंप के जेलेंस्की को तानाशाह कहने पर यूक्रेन का बच्चा-बच्चा नाराज

एजेंसी

कीव। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन के राष्टपति व्लादिमीर जेलेंस्की को 'बिना चुनाव के तानाशाह' कहने पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप की टिप्पणी से यूक्रेन का बच्चा-बच्चा उनसे नाराज दिख रहा है। यूक्रेन के सभी राजनीतिक दलों ने राजधानी कीव में रैली कर ट्रंप की जमकर निंदा की।

द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की असफल, अलोकप्रिय व्यक्ति है। इस युद्ध के लिए वह दोषी है। जेलेंस्की की जिद ने सैकड़ों हजारों लोगों को जीवन खत्म कर दिया। लाखों लोग विस्थापित होने को विवश हो गए। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने जेलेंस्की को बिना चुनाव के तानाशाह के रूप में वर्णित किया था। ट्रंप का यह बयान तब आया जब जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि ट्रंप, रूस के प्रभाव में आ गए हैं और क्रेमलिन के लिए अनुकूल शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, जरा सोचिए, एक मामूली सफल कॉमेडियन

जेलेंस्की ने अमेरिका को 350 बिलियन डॉलर खर्च करने के लिए मना लिया। यह ऐसा युद्ध जो जीता नहीं जा सकता। इसे कभी शुरू ही नहीं होना चाहिए था। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार को रूस और अमेरिका के बीच एक बैठक हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद अमेरिकी राष्टपति ट्रंप ने दावा किया कि जेलेंस्की की लोकप्रियता मात्र चार प्रतिशत रह गई है, जबकि ताजा सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 57 प्रतिशत बताई गई है। इस बैठक के नतीजों को खारिज करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अपनी भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा।

नेपाल में धर्मनिरपेक्षता के लिए खर्च किए गए 500 मिलियन डॉलर पर ट्रंप ने कहा- 'दिस इज फ्रॉड'

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में धर्मनिरपेक्षता लागू करने के नाम पर अमेरिकी संस्था की ओर से 500 मिलियन खर्च करने को राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनता के साथ धोखाधड़ी बताया है। ट्रंप ने सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों में यूएसएआईडी के जरिए खर्च की गई रकम का जिक्र करते हुए इन सभी अनुदानों को अपने कार्यकाल के पहले दिन ही रोकने की जानकारी दी।

व्हाइट हाउस में पत्रकार सम्मेलन के दौरान राष्टपति ट्रंप ने अमेरिकी संस्था यूएसएआईडी की ओर से अलग-अलग समय में विभिन्न देशों को दी गई आर्थिक सहायता की सूची पढ़ते हुए नेपाल को मिली कई आर्थिक सहायता का भी जिक्र किया। उन्होंने नेपाल में नास्तिकता के नाम पर 500

मिलियन डॉलर खर्च किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि 'दिस इज फ्रॉड' यानी यह धोखाधड़ी है। इतना ही नहीं, उन्होंने नेपाल में संघीयता के नाम पर अमेरिकी सरकार की तरफ से खर्च किए गए 19 मिलियन डॉलर, जैविक विविधता के नाम पर खर्च किए गए 20 मिलियन डॉलर, समावेशी के नाम पर खर्च किए गए 22 मिलियन डॉलर, वैचारिक स्वतंत्रता के नाम पर खर्च किए गए 2.3 मिलियन डॉलर, नागरिक समाज खड़ा करने के लिए खर्च किए गए 32 मिलियन डॉलर और लैंगिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण के लिए खर्च किए गए 40 मिलियन डॉलर को अमेरिकी जनता के टैक्स के पैसे का चरम दुरुपयोग बताया है। पत्रकार सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों में भी यूएसएआईडी के जरिए खर्च की गई रकम का जिक्र करते हुए इन सभी अनुदानों को अपने कार्यकाल के पहले दिन ही रोकने की जानकारी दी। उन्होंने बांग्लादेश को दिए गए 29 मिलियन डॉलर, भारत में मतदाता बढ़ाने के लिए खर्च किए गए 21 मिलियन डॉलर सहयोग देने पर भी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि भारत के मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के लिए अमेरिका क्यों अपना पैसा खर्च करेगा, जबकि भारत के पास खुद ही बहुत पैसा है।

श्रीलंका में ट्रेन से टकराने से छह जंगली हाथियों की मौत

एजेंसी

कोलंबो। पूर्वी श्रीलंका के बट्टिकलोआ से राजधानी कोलंबो की ओर जा रही एक ट्रेन की चपेट में आने से छह जंगली हाथियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए है।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना गुरुवार सुबह श्रीलंका के उत्तर मध्य प्रांत में गैल ओया रेलवे स्टेशन के पास हुई। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया लेकिन कोई यात्री घायल नहीं हुआ। पिछले अक्टूबर में इसी रेल लाइन पर इसी तरह की दुर्घटना में दो हाथियों की मौत हो गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मेक्सिको की राष्ट्रपति बोलीं 'ट्रंप की टैरिफ धमकियों से मैं नहीं डरती'

एजेंसी

मेक्सिको सिटी । मेक्सिको की राष्टपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दी जा रही धमकियों से डर नहीं लगता। वो यहां अमेरिकी राष्टपति की ओर से ज्यादा टैरिफ लगाने, ड्रग कार्टेल के खिलाफ सैन्य एक्शन लेने और निर्वासितों को वापस भेजने को लेकर दी जा रही चेतावनी पर टिप्पणी कर रही थीं।

एक दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जब पूछा गया कि क्या मेक्सिकन राष्टपति ट्रंप की धमकियों से डरती हैं, तो शिनबाम ने जवाब दिया, 'नहीं। मुझे लोगों का समर्थन प्राप्त है। जब किसी के पास निश्चितता और दृढ़ विश्वास होता है और वह जानता है कि उसके सिद्धांत क्या हैं, तो उसे क्यों डरना चाहिए?'

उन्होंने ट्रंप के उपायों पर चिंताओं को दूर करते हुए कहा कि दोनों सरकारों के बीच बातचीत जारी

है।राष्टपति ने कहा कि वह मेक्सिको की संप्रभुता का उल्लंघन कभी नहीं होने देंगी, लेकिन 'अगर इसका उल्लंघन होता है, तो मातृभूमि की रक्षा के लिए पूरा देश साथ खड़ा होगा।'

शिनबाम की टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि मेक्सिको ड्रग कार्टेल द्वारा चलाया जाता है, जो एक आपराधिक संगठन है जिसे अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी घोषित किया है।

ट्रंप ने मैक्सिकन अधिकारियों पर लाखों लोगों को अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति देने का भी आरोप लगाया और आप्रवासन के प्रवाह को रोकने के लिए अपनी ÷मदद÷ की पेशकश की।

दोनों देशों के अधिकारी इस सप्ताह वाशिंगटन में मैक्सिकन उत्पादों पर टैरिफ के निलंबन और नशीली दवाओं की तस्करी, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में फेंटेनाइल के प्रवाह से निपटने की रणनीतियों पर बातचीत करने के लिए मिलेंगे।

शिनबाम ने पुष्टि की कि उनकी सरकार ड्रग कार्टेल या संगठित अपराध का बचाव नहीं करती है, उन्होंने कहा, हम संप्रभुता का बचाव करते हैं।

उन्होंने कहा कि मेक्सिको कार्टेल को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित करने से उत्पन्न होने वाले किसी भी विदेशी उपाय को स्वीकार नहीं करेगा।

ट्रंप की जेलेंस्की को चेतावनी : 'युद्ध उनके बिना भी सुलझ सकता है'

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्टपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। ट्रंप ने जेलेंस्की को धमकाते हुए कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध उनके बिना भी खत्म किया जा सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जेलेंस्की को जल्द से जल्द समझदारी से आगे बढ़ना चाहिए, नहीं तो उनके पास कोई देश नहीं बचेगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत चल रही है और यह केवल उनका प्रशासन ही कर सकता है। यह बयान उस समय आया जब जेलेंस्की ने शिकायत की कि सऊदी अरब के रियाद में हुई अमेरिकी और रूसी राजनयिकों की बैठक में यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उनके देश को बाहर रखकर कोई शांति समझौता किया गया तो वे उसे

स्वीकार नहीं करेंगे। ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद जेलेंस्की ने उन पर हमला करते हुए कहा कि ट्रंप गलत सूचनाओं के जाल में जी रहे हैं। ट्रंप ने तुरंत पलटवार करते हुए जेलेंस्की को 'बिना चुनावों के तानाशाह' कह दिया। उनका इशारा यूक्रेन में राष्टपति चुनाव न कराए जाने की ओर था, जिसे युद्ध के कारण स्थगित कर दिया गया था। इससे पहले भी ट्रंप विवादित बयान दे चुके हैं। उन्होंने यूक्रेन पर ही युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया, जबकि असल में रूस ने 2022 में उस पर हमला किया था। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका यूक्रेन का मुख्य समर्थक है, इसलिए वह जेलेंस्की को रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शांति समझौते के लिए मजबूर कर सकते हैं।

मस्क को अंतरिक्ष से जुड़े सरकारी फैसलों से बाहर रखा जाएः ट्रम्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अरबपति उद्यमी एलन मस्क को अंतरिक्ष संबंधी निर्णय लेने से बाहर रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सरकारी खर्च में कटौती के प्रयासों के बीच श्री मस्क के हितों के संभावित टकराव के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री ट्रम्प ने फ्लोरिडा में अपने 'मार-ए-लागो' रिसॉर्ट में यह टिप्पणी की।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ÷इसलिए अंतरिक्ष से जुड़ी किसी भी चीज में हम एलन मस्क को हिस्सा नहीं लेने देंगे।÷

व्हाइट हाउस ने कहा है कि श्री मस्क अपने व्यावसायिक हितों और सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के माध्यम से सरकारी खर्च को कम करने के प्रयासों के बीच हितों के किसी भी टकराव से खुद को अलग कर लेंगे। ट्रम्प प्रशासन में श्री मस्क की भूमिका को लेकर सोमवार को व्हाइट हाउस ने कहा कि वह व्हाइट हाउस के कर्मचारी और राष्टपति के वरिष्ठ सलाहकार हैं। इसमें कहा गया है कि श्री मस्क डीओजीई के कर्मचारी नहीं हैं और उनके पास निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है। श्री ट्रम्प न कहा कि श्री मस्क को 'कर्मचारी' या 'सलाहकार' कहा जा सकता है।

नेपाल के प्रजातंत्र दिवस पर पूर्व राजा की चेतावनी, कहा- मेरी खामोशी को कमजोरी समझना भूल होगी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में प्रजातंत्र दिवस मनाया जा रहा है। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने देशवासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी करते हुए वर्तमान राजनीतिक दलों को चेतावनी दी है कि उनकी खामोशी को कमजोरी समझने की कोशिश ना की जाए। पूर्व राजा ने देश के विकास और प्रगति के लिए आम नेपाली जनता से समर्थन देने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि 'राष्ट्र की रक्षा और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने' के लिए वो हमेशा ही प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति पर भी अंकुश लगाने की बात हो रही है, जो प्रजातंत्र के लिए सही नहीं है।

पूर्व राजा शाह ने 10 मिनट 27 सेकेंड के वीडियो संदेश में कहा है कि अपने पूर्वजों की तरह राष्ट्रीय समस्याओं के समाधान के लिए बलिदान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता की खातिर उन्होंने राजमहल छोड़ा, अपनी सभी सुख सुविधाओं का त्याग किया है और देश की जनता के लिए इस तरह के त्याग करने के लिए वो आज भी तैयार हैं। पूर्व राजा शाह ने अपने संदेश में कहा है कि बलिदान से कोई छोटा नहीं हो जाता और ऐसी भावना को किसी की कमजोरी नहीं समझनी चाहिए। उन्होंने सभी देशवासियों से देश के विकास और प्रगति के लिए साथ देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देश के लिए हमारी निष्ठा और समर्पण सदैव रहेगा। राष्ट्र की रक्षा के लिए सभी को अनुशासन और ईमानदारी से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने यह शिकायत भी की कि लोकतंत्र आज के युग में शासन का सर्वोत्तम रूप होना चाहिए, यह सामान्य ज्ञान और राय के आधार पर देश के कानूनों, नियमों और मानदंडों के आधार पर राज्य चलाने का सार्वभौमिक आदर्श होना चाहिए, लेकिन नेपाल में ऐसा नहीं हो रहा है। ज्ञानेन्द्र शाह के संदेश में कहा गया है कि लोकतंत्र केवल सुंदर शब्दों और आकर्षक आदर्शों से सार्थक नहीं है। कर्म और व्यवहार में लोकतंत्र लाने के लिए सेवा भावना और सही लोकतांत्रिक आचरण का होना जरूरी है। सबकी पहचान होनी चाहिए। सबके अस्तित्व की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निषेध की राजनीति से लोकतंत्र मजबूत नहीं होता। नेताओं के निजी स्वार्थ एवं हठ लोकतंत्र को गतिशील नहीं बना सकता। पूर्व राजा शाह ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक दलों की ओर से देश के इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने और उसे नष्ट करने का षडयंत्र किया जा रहा है। नेपाल के अस्तित्व को ही खत्म किया जा रहा है। सरकार और राजनीतिक दलों की गलत नीति के कारण होनहार जनशक्ति का देश से पलायन होना एक बड़ी चिंता का विषय है। पूर्व राजा ने कहा कि देश के उद्योग कल कारखाने को बर्बाद किया जा रहा है। नेपाल के राजनेताओं और राजनीतिक दलों की नीति और गतिविधियां ठीक नहीं हैं। इसलिए जनता को अब पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजसंस्था के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है, जो प्रजातंत्र के लिए शोभनीय नहीं है। पूर्व राजा ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र एक ऐसी प्रणाली होनी चाहिए, जो लोगों के विश्वास और आशा को प्रेरित करे।

स्थानीय समाचार

मुख्यमंत्री ने जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व विचार-विमर्श का समापन किया

जम्मू 20 फरवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू के नागरिक सचिवालय में जम्मू संभाग के किश्तवाड़ और डोडा जिलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर जन प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श का समापन किया।

किश्तवाड़ जिले के सत्र की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेता सुनील शर्मा, जो जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाड्डर-नागसेनी का प्रतिनिधित्व करते हैं, किश्तवाड़ के जिला विकास परिषद के अध्यक्ष और जिले के विधान सभा के सदस्यों सहित जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

प्रतिनिधियों ने अपनी मांगें और मुद्दे प्रस्तुत किए, मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि बजट निर्माण में उनके सुझावों पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों के जन प्रतिनिधियों के साथ परामर्श की श्रृंखला समाप्त हो गई है, जिससे लोगों के सामने आने वाले जमीनी स्तर के मुद्दों पर मूल्यवान सुझाव प्रदान किये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्वाचित प्रतिनिधियों से कहा फ्ये बातचीत हमें लोगों की प्राथमिकताओं को समझने में मदद करती है। चूंकि आप जनता से सीधे जुड़े हुए हैं, इसलिए आपके सुझाव नीति-निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' इसी प्रकार, डोडा जिले के प्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपनी विकास प्राथमिकताओं और चिंताओं पर चर्चा की।

दोनों जिलों के बारे में उठाए गए प्रमुख मुद्दों में शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में कर्मचारियों की कमी, पेयजल आपूर्ति, सड़क कनेक्टिविटी और चौड़ीकरण, सुरंगों का निर्माण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी में सुधार को सामने रखा गया।

किश्तवाड़ और डोडा के उपायुक्तों ने अपनी प्रस्तुति में विधायकों द्वारा प्राथमिकता दी गई मांगों का निर्वाचन क्षेत्र-वार विवरण प्रदान किया।

डीडीसी अध्यक्षों और विधायकों ने बजट निर्माण प्रक्रिया में उन्हें शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने आग्रह किया कि यह सहभागी दृष्टिकोण एक नियमित सुविधा के रूप में जारी रहना चाहिए।

बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, प्रमुख सचिव वित्त संतोष डी. वैद्य, महानिदेशक बजट एम.एस. मलिक, महानिदेशक व्यय प्रभाग-1 सज्जाद हुसैन गनई और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

सकीना इत्तू ने अस्पताल, जीएमसी में कैथ लैब, नए ब्लॉक का उद्घाटन किया

अनंतनाग 20 फरवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला और मिर्जा मोहम्मद अफ़्ज़ल बेघ मेमोरियल एसोसिएटेड अस्पताल, जीएमसी अनंतनाग के नवनिर्मित ब्लॉक-ए का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अब्दुल मजीद भट्ट सहित जिला अनंतनाग के विधायक पीरज़ादा मोहम्मद सईद, रेयाज़ अहमद खान, अल्ताफ अहमद वानी और जफ़्र अली खटाना के अलावा प्रिंसिपल जीएमसी अनंतनाग, प्रोफेसर डॉ. रुखसाना नजीब, निदेशक समन्वय न्यु मेडिकल कॉलेज, निदेशक परिवार कल्याण एमसीएच और टीकाकरण, सीएमओ अनंतनाग, चिकित्सा अधीक्षक एमएमएबीएम एसोसिएटेड अस्पताल, जीएमसी अनंतनाग के विभिन्न विभागों के प्रमुख, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जीएमसी अनंतनाग के कैथ-लैब और ब्लॉक ए को जनता को समर्पित करते हुए, मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विकास पूरे दक्षिण कश्मीर में स्वास्थ्य सेवाओं में एक नए युग का प्रतीक है, क्योंकि जीएमसी अनंतनाग अपने समर्पित कैथ-लैब प्राप्त करने वाले नव स्थापित मेडिकल कॉलेजों में पहला बन गया है। उन्होंने कहा, कैथ-लैब के उद्घाटन से, दक्षिण कश्मीर के लोगों को उनके दरवाजे के नजदीक, खासकर हृदय देखभाल के मामले में सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सेवाएं मिलेंगी।''

मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जनता को उनके दरवाजे के पास विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान सरकार स्वास्थ्य

क्षेत्र में कुछ कमियों को दूर करने के अलावा जम्मू-कश्मीर में विश्व स्तरीय चिकित्सा बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, उन्होंने कहा कि डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को लोगों का विश्वास कायम रखना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि जनशक्ति की कमी है, उन्होंने आश्वासन दिया कि इन कमियों को जल्द ही दूर किया जाएगा।

मंत्री ने दक्षिण कश्मीर के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए जीएमसी अनंतनाग और उससे जुड़े अस्पताल के प्रशासन और कर्मचारियों की भी सराहना की।

इस अवसर पर जीएमसी अनंतनाग की प्रिंसिपल और डीन डॉ. रुखसाना नजीब ने जीएमसी अनंतनाग में किए गए कार्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जनशक्ति और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए जीएमसी अनंतनाग को उल्लेखनीय सहायता प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दक्षिण कश्मीर के लोगों को उनके दरवाजे के नजदीक सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने के लिए भी बधाई दी।

बाद में, मंत्री ने जीएमसी अनंतनाग के हृदय रोग विशेषज्ञों डॉ. सैयद मकबूल, डॉ. शमीम इकबाल और डॉ. शौकत हुसैन शाह को हृदय देखभाल में उनके उत्कृष्ट कार्य और प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया।

बेलवाली सब्जियों की खेती

बेलवाली सब्जियां जैसे लौकी, तोरई, तरबूज,खरबूजा, पेठा, खीरा, टिण्डा, करेला आदि की खेती मैदानी भागो में गर्मी के मौसम में मार्च से लेकर जून तक की जाती है। इन सब्जियों की अगेती खेती जो अधिक आमदनी देती है, करने के लिए पॉली हाउस तकनीक में जाड़े के मौसम में इन सब्जियों की नसर्री तैयार करके की जा सकती है। पहले इन सब्जियों की पौध तैयार की जाती है तथा फिर मुख्य खेत में जड़ो को बिना क्षति पहुँचाये रोपण किया जाता है।

किस्म व संकर प्रजातियाँ

खीरा - पोइंसेट, जापानीज, लौंग ग्रीन, पूसा संयोग तथा पूसा उदय

लौकी - पूसा नवीन, पूसा संदेश, पूसा संतुष्टि, पूसा समृद्धि, पी.एस.पी.एल. तथा पूसा हाइब्रिड-3

करैला - पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, पूसा हाइब्रिड-1 व पूसा हाइब्रिड-2

तोरी - पूसा सुप्रिया, पूसा स्नेहा, पूसा चिकनी, पूसा नसदार, सतपुतिया, पूसा नूतन व को-1

चप्पन कद्दू - आस्ट्रेलियन ग्रीन, पैटी पेन, अर्ली येलो, पूसा अलंकार व प्रोलिफिक

कद्दू - पूसा विशवास, पूसा विकास, अर्का चंदन व पूसा हाइब्रिड-1

उर्वरण व खाद - ज्यादातर बेल वाली उपरोक्त सब्जियों में खेत की तैयारी के समय 15-20 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद व 80 कि.ग्रा. नत्रजन, 50 कि.ग्रा. फास्फोरस तथा 50 कि.ग्रा. पोटाश की आवश्यकता होती है।

बीज बुवाई - खेत में लगभग 45 से.मी. चौड़ी तथा 30-40 से.मी. गहरी नालियाँ बना लें। एक नाली से दूसरी नाली की दूरी फसल की वेल की बढ़वार के अनुसार 1.5 की. से 5 मी. तक रखें। बुवाई से पहले नालियों में पानी लगा दें। जब नाली में नमी की मात्रा बीज बुवाई के लिए उपयुक्त हो जाए तो बुवाई के स्थान पर मिटटी भुरभुरी करके 0.05 से 1.0 मी. की दूरी पर बीज बोएँ।

बुवाई का समय - बसंत-गर्मी की फल बुवाई फरवरी-मार्च में करते हैं तथा वर्षा के मौसम जून के अंत से जुलाई माह में करते हैं।

फसल की आवश्यकतानुसार समय-समय पर पानी का प्रबंध करें तथा सिंचाई व निराई-गुड़ाई नालियों में ही करें।

पाली हाउस विधि से अगेती खेती

कद्दूवर्गीय सब्जियों की उत्तर भारत में मैदानी क्षेत्रों में गर्मी के मौसम के लिए अगेती फसल तैयार करने के लिए पॉली हाउस में जनवरी माह में झोपड़ी के आकार का पॉली हाउस बनाकर पौध तैयार कर लेते हैं। पौधे तैयार करने के लिए 15 ग 10 से.मी. आकार की पॉलीथीन की थैलियों में 1:1:1 मिटटी, बालू व गोबर की खाद भरकर जल निकास की व्यवस्था हेतू सुए की सहायता से छेद कर लेते हैं। बाद में इन थैलियों में लगभग 1 से.मी. की गहराई पर बीज बुवाई करके बालू की पतली परत बिछा लेते हैं तथा हजारे की सहायता से पानी लगाते हैं। लगभग 4 सप्ताह में पौधे खेत में लगाने के योग्य हो जाते हैं। जब फरवरी माह में पाला पड़ने का डर समाप्त हो जाये तो पॉलीथीन की थैली को ब्लेड से काटकर हटाने के बाद पौधे की मिट ?टी के साथ खेत में बनी नालियों की मेंढ़ पर रोपाई करके पानी लगाते हैं। इस प्रकार लगभग एक से डेढ़ माह बाद अगेती फसल तैयार हो जाती है जिससे किसान अगेती फसल तैयार करके ज्यादा लाभ कमा सकता है।

बीज दर - विभिन्न फसलों के लिए बीज दन निम्न प्रकार है

खीरा 2.2-2.5 कि.ग्रा., लौकी 4-5 कि.ग्र., करेला 6-7 कि.गा्., कद्दू 3-4 कि.गा., तौरी 5--.5 कि.ग्रा., चप्पन कद्दू 5-6 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर

उपज-फसल अनुसार निम्न प्रकार है

खीरा 100-120 क्विंटल, लौकी 250-420 क्विंटल, करेला 75-120 क्विंटल, कद्दू 250-500 क्विंटल, तौरी 100-130 क्विंटल, चप्पन कद्दू 50-60 क्विंटल/हेक्टेयर

कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी

- बेल वाली फसलें जैसे खीरा, घीया, तोरी करेला व कद्द में तुड़ाई तब करें जब वे कच्चे व मुलायम हों।
- तुड़ाई कैंची की मदद से करें तथा डंठल सहित (4-5 से.मी.) फलों को तोड़ें।
- रंग व आकार के आधार पर श्रेणीकरण कर पैकिंग करें।
- पैक किये गये फलों को शीघ्र मण्डी या शीतगृह में रखें।
- पैक किये गये फलों को काट कर (छल्लानुमा) स्वच्छ जगह पर सुखाएँ एवं पालीथीन के थैलों में सील करके भण्डारित करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल कद्द भृंग (रैड पम्पकिन बीटल)

इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों ही फसल को हानि पहुँचाते हैं। वयस्क कीट पौधों के पत्ते में टेढ़े-मेढ़े छेद करते हैं जबकि शिशु पौधों की जड़ों, भूमिगत तने व भूमि से सटे फलों तथा पत्तों को नुकसान पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. फसल खत्म होने पर बेलों को खेत से हटाकर नष्ट कर दें।
2. फसल की अगेती बुवाई से कीट के प्रभाव को कम किया जा सकता है।
3. स्तंरी रंग के भृंग को सुबह के समय इकट्ठा करके नष्ट कर दें।
4. कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.ली.फलिटर या एमामेक्टिन बैंजोएट 5 एस.जी. 1 ग्राम/2 लिटर या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस.सी. 1 मि.लि./2 लिटर का छिड़काव करें।
5. भूमिगत शिशुओं के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. 2.5 लिटर/हेक्टेयर हल्की सिंचाई के साथ इस्तेमाल करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

इस कीट की मक्खी फलों में अंडे देती है तथा शिशु अंडे से निकलने के तुरंत बाद फल के गूदे को भीतर ही भीतर खाकर सुरंगें बना देते हैं।

प्रबंधन

1. खेत की निड़ाई करके प्यूमा को नष्ट कर दें।
2. ग्रसित फलों को भी कत्रित करके नष्ट कर दें।
3. मक्खियों को आकर्षित कर मारने के लिए मीठे जहर, जो एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 5 मि.लि./लिटर व 1 प्रतिशत चीनी/गुड़ (25 ग्राम/लिटर) से बनाया जा सकता है, का 50 लिटर/हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। फल मक्खी रात को मक्खी के पौधों के पत्तों की निचली सतह पर विश्राम करती है इसलिए कद्दू वर्गीय फसलों के खेत के पास मक्खी लगाने व उस पर छिड़काव करने से इस कीट को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।
4. फल मक्खी के नरों को आकर्षित करने के लिए मिथाइल करने से इस कीट को नियंत्रित भी किया जा सकता है।

3. सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई)

इस कीट के शिशुओं व वयस्कों के रस चुसने से पत्ते पीले पड़ जाते हैं। इनके मधुबिन्दु पर काली फफूंद आने से पौधों की भोजन बनाने की क्षमता कम हो जाती है।

इस कीट की रोकथाम के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

4. चिंचिड़ा सेमी लूपर

यह कीट केवल चिंचिड़ा को ही हानि पहुँचाता है। अधिक प्रकोप की अवस्था में इसकी इल्लियाँ पौधों के पत्तों को खकर खत्म कर देती हैं।

प्रबंधन

1. इल्लियों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।
2. नीम बीज अर्क (5 प्रतिशत) या बी.टी. 1 ग्राम/लिअर या एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्ब्रोरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 मि.लि./लिटर या स्पिनोसेड 45 एस.सी. 1 मि.लि./4 लिटर का छिड़काव करें।

5. चेपा (एपिड)

चेपा लगभग सभी कद् ?दू वर्गीय फसलों पर आक्रमक करते हैं। ये पौधों के कोमल भागों से रस चूसकर फसल को हानि पहुँचाते हैं।

प्रबंधन

1. लेडी बर्ड भृंग का संरक्षण करें।
2. नाइट्रोजन खाद का अधिक प्रयोग न करें।
3. इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या क्विनलफॉस 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

सर्दियों में उचित प्रबंधन अपनाएं, बागों से खूब लाभ कमाएं

शीत ऋतु की ठंड, शीत लहर, मेघाच्छन्न दिन-रात भले ही सामान्य जीवन की गतिविधि को प्रभावित करते हैं, परंतु, बागवान भाइयों के लिए यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस समय बागों में किए गए कृषि कार्यों का पौधों की उत्तरजीविता एवं फलन पर दूरगामी प्रभाव होता है। अब की मेहनत कल काम आएगी, जान लें कि कैसे।

फलों के अच्छे और उच्च गुणवत्ता के उत्पादन के लिए बगिया की देखभाल अति आवश्यक है। फलदार पौधों की बहुवर्षीय प्रकृति के कारण इनकी देखभाल तथा रखरखाव धान्य फसलों से भिन्न होता है। इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण फलों में जनवरी व फरवरी में की जाने वाली प्रमुख कृषि क्रियाओं का विवरण दिया गया है।

आम का पेड़ चाहे विशेष देखरेख

इस मौसम में पौधों, विशेषकर नवस्थापित बागान को पाले से बचाना अति आवश्यक है। जनवरी में नर्सरी में लगे पौधों को पाले से सुरक्षा के लिए छप्पर से ढकना चाहिए। वहीं दूसरी ओर छोटे पौधों को भी पुआल से ढक दें। पाले से बचाव के लिए बाग में समय-समय पर हल्की सिंचाई करें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें। आम के नवरोपित बागों की सिंचाई करें।

इस समय लगने वाले बौरों का भी ध्यान रखना आवश्यक है। इन्हीं पर फलोत्पादन निर्भर करेगा। जनवरी के प्रथम सप्ताह में आने वाले बौर में फल नहीं लगते और ये अक्सर गुच्छे का रूप धारण कर लेते हैं। अत: ऐसे बौर को निकालकर नष्ट कर दें। आम में उर्वरक देने का यह सही समय है। नाइट्रोजन 500 ग्राम, फॉस्फोरस 500 ग्राम तथा पोटाश 700 ग्राम प्रति पौधा प्रयोग करें। इन्हें मिट्टी में मिलाकर हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में थालों की गुड़ाई करें।

फुदका या तेला (मैंगो हॉपर) के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.3 प्रतिशत) तथा चूर्णिल आसिता रोग से बचाव के लिए केराथेन (20 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में) का छिड़काव फरवरी के अंतिम सप्ताह में अवश्य करें। फरवरी में छोटे पौधों के ऊपर से छप्पर हटा दें।

मीलीबग (गुजिया) के बचाव के लिए वृक्षों के तने पर पॉलीथीन की 3 फुट चौड़ी पट्टी बांध दें एवं 250 ग्राम प्रति वृक्ष की दर से क्लोरपॉयरीफॉस धूल (1.5 प्रतिशत) को पेड़ के चारों ओर की मिट् ?टी में मिश्रित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, भूमि की सतह पर परभक्षी ब्यूवेरिया बेसियाना (2 ग्राम प्रति लीटर, 1म107 बीजाणु प्रति मि.ली.) अथवा 5 प्रतिशत नीम बीज के गिरी सतत? का प्रयोग प्रौढ़ कीटों को मारने के लिए करें।

ध्यान रखने योग्य बात है कि इन्हीं दिनों पौधों पर फूल आते हैं और यदि किसी भी कीटनाशी का प्रयोग फूलों पर किया गया तो संपूर्ण परागण न होने से कम फल लगेंगे।

नीबूवर्गीय फलों का कल्याण, भरेगा धन-धान्य

जनवरी में एक-दो सिंचाई करें तथा पाले से बचाने के हर संभव उपाय करें। मूलवृत्त तैयार करने के लिए बीज की बुआई पॉलीथीन में करें। प्रति पौधा 400 ग्राम नाइट्राजेन, 200 ग्राम फास्फोरस तथा 400 ग्राम पोटाश का प्रयोग 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद के साथ करके हल्की सिंचाई कर दें। बागों की निराई-गुड़ाई एवं सफाई का कार्य करें।

फरवरी में फूल आने से कुछ दिन पहले सिंचाई न करें अन्यथा सभी फूल झड़ सकते हैं। यदि फूलों या फलों में गिरने की समस्या अधिक हो तो 2-4,डी (10 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में घोलकर) का छिड़काव करें। फल लगते समय पर्याप्त मात्रा में नमी बनाए रखें। नए पौधे तैयार करने हेतु फरवरी मे अंत में कलिकायन (बडिंग) की जा सकती है।

अंगूर की देखभाल, करे मालामाल

बेहतर अंगूर उत्पादन हेतु, वार्षिक काट-छांट अत्यंत आवश्यक है। उत्तरी भारत में अंगूर की काट-छांट के लिए जनवरी सबसे उपयुक्त माह है। काट-छांट के बाद कटे भाग पर नीले थोथे का घोल लगाना न भूलें, ताकि किसी भी व्याधि के प्रकोप से बचा जा सके। काट-छांट किया अंगूर के पौध में प्रथम वर्ष गोबर/कम्पोस्ट खाद के अलावा 100 ग्राम नाइट्रोजन, 60 ग्राम फॉस्फेट व 80 ग्राम पोटाश प्रति पौधा आवश्यक होता है। 5 वर्ष या इससे ऊपर यह मात्रा बढ़कर 500 ग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फेट व 400 ग्राम पोटाश हो जाती है।

जावेद डार ने बडगाम के विकासात्मक परिदृश्य की समीक्षा की

बडगाम 20 फरवरी। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने जिले के विकासात्मक परिदृश्य का आकलन करने के लिए बडगाम में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

शुरुआत में, मंत्री ने प्रमुख चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया, जिसमें 125 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल की स्थापना, रेशीपोरा में 100 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल, सड़क के बुनियादी ढांचे, चडूरा में नए बस टर्मिनल, यूसमार्ग और दूधपथरी सहित पर्यटन स्थलों पर मजबूत मोबाइल कनेक्टिविटी और कृषि और संबद्ध क्षेत्र की योजनाओं का सफ्ल कार्यान्वयन शामिल है।

बैठक में डीडीसी के अध्यक्ष नजीर अहमद खान, बीरवाह के विधायक डॉ. शफ़ी वानी, चडूरा के विधायक अली मोहम्मद डार और खानसाहिब के विधायक सैफ्-उद-दीन भट्ट भी शामिल हुए।

शुरुआत में, बडगाम के उपायुक्त अक्षय लाब्रू ने मंत्री को जिले में विभिन्न प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं और चल रहे कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जन कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाओं और प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बारे में भी विचार-विमर्श किया।

सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने लाभार्थी कवरेज को अधिकतम करने के लिए समग्र कृषि विकास कार्यक्रम सहित सभी केंद्रीय और केंद्र शासित प्रदेश-स्तरीय पहलों के सफ्ल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने सभी सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और सभी जन कल्याणकारी पहलों को सीधे लोगों तक ले जाने का आह्वान किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ हर नागरिक तक पहुंचे।

मंत्री ने आम जनता को त्वरित सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सक्रियता लाने का निर्देश दिया।

जिले में ईंट भट्ठों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि इनके संचालन को सुव्यवस्थित किया जाए और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सख्ती से संचालन किया जाए, साथ ही सख्त निर्देश दिया कि जिले में कोई भी अवैध ईंट भट्ठा संचालन की अनुमति नहीं दी जाए।

दुग्ध सहकारी समितियों की स्थिति को हल करते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए कृषि जागरूकता शिविर और मेले आयोजित करने का निर्देश दिया।

जमीनी स्तर पर शासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने निर्देश दिया कि विधायकों को अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए योजना और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए।

उन्होंने सरकारी अधिकारियों को लगातार क्षेत्र का दौरा करने, जनता के साथ बातचीत करने और जमीनी स्तर की चिंताओं को सक्रिय रूप से हल करने का निर्देश दिया।

मंत्री ने कहा, हमारा देश एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर कोई अपवाद नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत, सरकार अपने लोगों की भलाई के लिए अथक प्रयास कर रही है।

उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर जोर देते हुए बडगाम जिले में समग्र विकास का आह्वान किया और कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

हालाँकि, मंत्री ने जोर देकर कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पारिस्थितिक संतुलन के अनुरूप किया जाना चाहिए और जिले में कहीं भी विकास के बहाने कोई पर्यावरणीय गिरावट नहीं होती है।

बैठक के दौरान विधायकों ने निर्वाचन क्षेत्र-विशिष्ट मांगों और मुद्दों को उठाया और सार्वजनिक चिंताओं के समयबद्ध समाधान का आग्रह किया।

जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों और मुद्दों में मगाम में ट्रॉमा अस्पताल की स्थापना, दादिना-लखीपोरा सड़क का निर्माण, सब्जी मंडियों का निर्माण, नए पशुपालन केंद्र, स्कूल उन्नयन, एड फ़्रुड योजना के तहत ग्राम-स्तरीय बिक्री केंद्र, जल जीवन मिशन के तहत तोसामैदान को शामिल करना, दूधपथरी और तोसामैदान के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, मुजपथरी से दूधपथरी तक एक वैकल्पिक सड़क का निर्माण आदि शामिल हैं। मांगों को सुनने के बाद, मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी वास्तविक चिंताओं को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

उपायुक्त डोडा ने सार्वजनिक शिकायतों के समाधान के लिए जन पहुंच शिविर आयोजित किया

डोडा 20 फरवरी। उपायुक्त हरविंदर सिंह ने कनेक्टिविटी में सुधार, स्थानीय मुद्दों को हल करने और जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सार्वजनिक शिकायतों को सुनने और संबोधित करने हेतु मरमट तहसील में पंचायत हम्बल-बी का दौरा किया। उपायुक्त के साथ एनएचआईडीसीएल के अधिकारी, एएसपी, तहसीलदार और अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी थे। सड़क संपर्क, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य नागरिक मुद्दों से संबंधित सार्वजनिक शिकायतों को विस्तार से सुना गया। निष्पादन एजेंसियों और स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ परामर्श के बाद, उपायुक्त ने स्थानीय निवासियों द्वारा उठाए गए कई मुद्दों का समाधान किया। उपायुक्त ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए शेष शिकायतों के समाधान के लिए समयसीमा निर्धारित की।

उपायुक्त ने जिला पुंछ में कार्यान्वयन की समीक्षा की

पुंछ 20 फरवरी। उपायुक्त विकास कुंडल ने जिले में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की। यह पहल आवश्यक प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और बाजार संपर्क प्रदान करके कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई है।

प्रारंभ में, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र ने उपलब्धियों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने लंबित आवेदनों को समयबद्ध तरीके से निपटाने पर जोर देते हुए ग्राम पंचायत और जिला स्तर पर लाभान्वित व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की। लीड बैंक मैनेजर को सभी शाखाओं में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा गया। इसके अतिरिक्त, बैठक में ब्लॉक-वार लंबित आवेदनों का आकलन किया गया, जिसमें सभी ब्लॉक विकास अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से अपडेट प्रदान करने के लिए विडियो कांफ्रेंस द्वारा भाग लिया। अधिक से अधिक संख्या में कारीगरों को शामिल करने के लिए जन जागरूकता पर जोर दिया गया।